शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

सिवनी

मंगलवार 16 सितंबर 2025 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 10 | अंक : 152 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली की प्रदूषित हवा लाल किले को नुकसान पहुंचा रही: रिसर्च

नईदिल्ली। एक नई अध्ययन में पाया गया है कि दिल्ली की खराब होती हवा के कारण ऐतिहासिक लाल किला धीरे-धीरे और तेजी से नुकसान झेल रहा है। 17वीं सदी के इस किले की लाल बलुआ पत्थर की दीवारों पर प्रदूषण की काली परतें बन रही हैं, जो किले की बनावट और सौंदर्य को खतरे में डाल रही हैं।

"Characterisation of red sandstone and black crust to analyse air pollution impacts on a cultural heritage building: Red Fort, Delhi, India" नामक यह अध्ययन इंडो-इटालियन टीम द्वारा किया गया है। यह पहला विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन है जो यह जांचता है कि शहजाहां ने 1639 से 1648 के बीच बनवाए गए इस ऐतिहासिक स्मारक पर शहरी वायु प्रदूषण का क्या असर पड़ रहा है।

आंध्र में निजी स्कूल की दीवार गिरने से 5 वर्ष के छात्र की मौत

कुरनूल। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में सोमवार सुबह कवाड़ी स्ट्रीट पर स्थित कीर्ति इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल की दीवार गिर गई। इस हादसे में पांच वर्षीय छात्र की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, स्कूल प्रबंधन ने देर से आने पर छात्रों को बाहर खड़ा किया था तभी दीवार अचानक गिर गई। मृतक की पहचान रकीब के तौर पर हुई है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

गुजरात के राज्यपाल ने महाराष्ट्र के राज्यपाल के तौर पर ली शपथ

मुंबई। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सोमवार को महाराष्ट्र के अतिरिक्त राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की। समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपस्थित थे। सीपी राधाकृष्णन के उप-राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद खाली हुई था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके पद के लिए नियुक्ति आदेश जारी किया था।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं, 3 बदलावों पर स्टे

- सेंट्रल वक्फ बोर्ड में 4 और राज्य में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम मेंबर बनाने पर रोक

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने सोमवार को कानून में किए गए 3 बड़े बदलावों पर अंतिम फैसला आने तक स्टे लगा दिया। इनमें वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का नियम शामिल है।

सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम मेंबर्स की संख्या 4 और राज्यों के वक्फ बोर्ड में 3 से ज्यादा न हो। सरकारें कोशिश करें कि बोर्ड में नियुक्त किए जाने वाले सरकारी मेंबर्स भी मुस्लिम कम्युनिटी से ही हों। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल 5 याचिकाओं पर 20 से 22 मई तक लगातार 3 दिन सुनवाई की थी। 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

एससी के आदेश पर कांग्रेस-भाजपा का बयान

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा- मेरे हिसाब से ऐसी नौबत आनी ही नहीं चाहिए थी। जब बिना चर्चा के कानून बनाए जाते हैं, तो आखिरकार सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ता है और राहत देनी पड़ती है। यह पहली बार नहीं है, पिछले 10-11 सालों में कई बार ऐसा हुआ है। बीजेपी सांसद और वक्फ बिल की संयुक्त संसदीय समिति के चेयरमैन जगदंबिका पाल- सुप्रीम कोर्ट ने आज साफ कर दिया है कि संसद से पास हुआ कानून पूरी तरह वैध है। यह बिल लोकसभा-राज्यसभा में 14 घंटे की चर्चा और जेपीसी में 6 महीने की समीक्षा के बाद बना है।

ओवैसी समेत 5 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हुई : वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने 5 मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई की। इसमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल थी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और राजीव धवन और केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता पेश हुए थे।

5 पॉइंट्स पर आदेश दिया, कहा- राज्य बोर्ड का सीईओ मुस्लिम समुदाय से ही हो

1. वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम : वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की भागीदारी पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रावधानों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन कुछ सीमाएं तय कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में (20 में से) अधिकतम 4 और राज्य वक्फ बोर्ड में (11 में से) अधिकतम 3 गैर-मुस्लिम सदस्य ही रख सकते हैं। पहले इसमें अधिकतम सीमा तय नहीं थी।
2. सीईओ की नियुक्ति : राज्य बोर्ड में सेक्शन 23 (सीईओ की नियुक्ति) को बरकरार रखते हुए कोर्ट ने कहा कि जहां तक संभव हो, सीईओ (जो बोर्ड का पदेन सचिव भी होता है) मुस्लिम समुदाय से ही नियुक्त किया जाए।
3. वक्फ बनाने की शर्त : सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के सेक्शन 3(र) के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि कोई व्यक्ति वक्फ बनाने के लिए कम से कम 5 साल से मुसलमान होना चाहिए। अदालत ने कहा कि जब तक राज्य सरकारें यह तय करने के लिए नियम नहीं बनातीं कि कोई व्यक्ति वास्तव में मुसलमान है या नहीं, तब तक यह प्रावधान लागू नहीं हो सकता, क्योंकि बिना नियम के यह मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है।
4. वक्फ की प्रॉपर्टी का वेरिफिकेशन : सुप्रीम कोर्ट ने सेक्शन 3सी से जुड़े प्रावधान यानी बदलाव पर रोक लगाई। यह धारा सरकारी अधिकारियों को वक्फ संपत्तियों की स्थिति तय करने का अधिकार देती थी। कोर्ट ने उस प्रावधान पर भी रोक लगाई, जिसमें कहा गया था कि किसी संपत्ति को वक्फ तभी माना जाएगा, जब सरकारी अधिकारी की रिपोर्ट में अतिक्रमण न होने की पुष्टि हो। धारा 3सी(3), जिसमें अधिकारी को संपत्ति को सरकारी जमीन घोषित करने और राजस्व अभिलेख बदलने का अधिकार था, उसे भी रोक दिया। धारा 3ष्ट(4), जिसके तहत राज्य सरकार वक्फ बोर्ड को अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर रिकॉर्ड सुधारने का आदेश देती, उस पर भी रोक लग गई। कोर्ट ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के अधिकार तय करने का अधिकार देना सत्ता के विभाजन (सेपरेशन ऑफ पावर्स) के सिद्धांत के खिलाफ है, क्योंकि कार्यपालिका को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता। बेंच ने साफ किया कि जब तक किसी संपत्ति का मालिकाना हक वक्फ ट्रिब्यूनल (सेक्शन 83) से तय नहीं हो जाता और उस पर हाई कोर्ट में अपील की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक वक्फ का मालिकाना और उसके रिकॉर्ड से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।
5. वक्फ के रजिस्ट्रेशन : इस अनिवार्य प्रावधान में दखल देने से इनकार कर दिया, क्योंकि यह कोई नया नियम नहीं है और पहले भी 1995 व 2013 के कानूनों में मौजूद था।

सुप्रीम कोर्ट ने अंबानी के वनतारा को क्लीनचिट दी

कहा- जानवरों की खरीद-बिक्री कानूनी; जैन मठ से हथिनी की शिफ्टिंग पर विवाद

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, जामनगर स्थित वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में जानवरों की खरीद-बिक्री नियमों के दायरे में हुई है। इस सेंटर को अंबानी परिवार का रिलायंस फाउंडेशन चलाता है। कोर्ट ने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में कोई गड़बड़ी नहीं मिली है। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा, अब इस मामले को बार-बार उठाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। स्वतंत्र समिति ने जांच की है और हम उसी पर भरोसा करेंगे।

इससे पहले स्ष्ट ने 26 अगस्त को 2 पब्लिक इंटरेस्ट पिटीशन पर एसआईटी बनाने का आदेश दिया था। एक वकील सीआर जया सुकीन और दूसरी याचिका देव शर्मा ने जुलाई में कोल्हापुर के जैन मठ से हाथी 'माधुरी' को वनतारा में ले जाने के विवाद के बाद दायर की थी।

एसआईटी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी

वनतारा के वकील हरीश साल्वे ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जानी चाहिए। उनका तर्क था कि अगर रिपोर्ट बाहर आई तो न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे अखबार उसका केवल कुछ हिस्सा छापकर गलत नैरेटिव बना देंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होगी।

एसआईटी ने 12 सितंबर को रिपोर्ट सौंपी

4 सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व पूर्व जज जस्टिस जे. चेलमेश्वर ने किया था और टीम में जस्टिस राघवेंद्र चौहान (पूर्व चीफ जस्टिस, उत्तराखंड व तेलंगाना ।ष्ट), पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले और कस्टम्स अधिकारी अनिश गुप्ता शामिल थे। एसआईटी ने 12 सितंबर को रिपोर्ट सौंप दी थी। कोर्ट ने एसआईटी की सराहना की और कहा कि समिति को मानदेय भी दिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी- गड़बड़ी मिली तो एसआईआर रद्द करेंगे

बिहार पर जो फैसला देंगे, वही पूरे देश पर लागू होगा; 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई

राष्ट्रबाण | पटना | एजेंसी | rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट में आज यानी सोमवार को बिहार में एसआईआर (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि चुनाव आयोग प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है। नियमों की अनदेखी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा- हम यह मानकर चलेंगे कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को जानता है। अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो हम इसको देखेंगे। अगर बिहार में एसआईआर के दौरान चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।

जस्टिस सूर्यकांत शर्मा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने स्पष्ट किया कि वह बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में राय नहीं दे सकता। उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में एसआईआर पर लागू होगा। मामले पर 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी।

इससे पहले 8 सितंबर को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, ÷आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। बिहार एसआईआर के लिए फिलहाल 11 निर्धारित दस्तावेज हैं, जिन्हें मतदाताओं को अपने फॉर्म के साथ जमा करना होता है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने ये भी कहा था, आधार कार्ड को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो आयोग इसकी जांच कराए। कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी। जो लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दावा कर रहे हैं, उन्हें मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा।

हजारीबाग में मुठभेड़, 3 इनामी नक्सली ढेर

पाती पिरी जंगल में एक करोड़ का इनामी सहदेव सोरेन भी मारा गया

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच सोमवार को बड़ी मुठभेड़ हुई। गोरहर थाना क्षेत्र के पाती पिरी जंगल में हुई इस मुठभेड़ में तीन कुख्यात नक्सली मारे गए। इनमें नक्सली संगठन की केंद्रीय समिति का सदस्य सहदेव सोरेन उर्फ परवेश भी शामिल है, जिस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियां इसकी तलाश में थीं। मुठभेड़ में कोबरा 209 और हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम ने भाग लिया।

2 जवान भी हुए हैं घायल

पुलिस और नक्सलियों के बीच चली इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं। ये अजय भौमिक 209 कोबरा बटालियन के सिपाही और सुब्रतो विश्वास कोबरा के जवान हैं। बरही अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया। दोनों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। सुब्रतो विश्वास पश्चिम बंगाल तो अजय भौमिक असम का रहने वाला है।

आरजेडी-कांग्रेस से बिहार के सम्मान-पहचान को खतरा, इन्होंने राज्य की तुलना बीड़ी से की : पीएम

नीतीश ने कहा- खड़े होकर प्रधानमंत्री को प्रणाम कीजिए

राष्ट्रबाण | पूर्णिया | एजेंसी | rashtrabaan.in

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार यानी 15 सितंबर को बिहार के लिए 40 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए। उन्होंने पूर्णिया एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

एयरपोर्ट के बाद पूर्णिया के एसएसबी ग्राउंड में प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा- कांग्रेस और राजद से बिहार के सम्मान के साथ पहचान को भी खतरा है। ये लोग बिहार की तुलना बीड़ी से करते हैं।

एसआईआर का जिक्र किए बिना पीएम ने कहा- राजद और कांग्रेस घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्राएं निकाल रही हैं। प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन घुसपैठियों पर ताला लगाना एनडीए की पक्की जिम्मेदारी है। बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जो मेरे पहले यहां के चक्कर काटकर गए, उन्हें मखाना का नाम भी नहीं पता होगा।

वे मंच तक खुली गाड़ी से लोगों का अभिवादन करते हुए पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी थे। इससे पहले नीतीश कुमार का संबोधन हुआ। उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पीएम को खड़े होकर प्रणाम करने को कहा। मुख्यमंत्री के कहने पर लोग खड़े हुए और उन्हें प्रणाम किया।

एसआईआर पर विपक्ष को घेरा

कांग्रेस और राजद से न सिर्फ बिहार के सम्मान को खतरा है। बिहार की पहचान को भी खतरा है। वोट बैंक का स्वार्थ है कि कांग्रेस और राजद के लोग घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। नारे लगा रहे हैं। यात्राएं निकाल रहे हैं। ये बिहार के संसाधन और सुरक्षा दोनों को दांव पर लगाना चाहते हैं।

जंगलराज की याद दिलाई

कांग्रेस और राजद बीते 2 दशकों से सत्ता से बाहर है। इसमें अहम भूमिका बिहार माताओं-बहनों की है। राजद के राज में हत्या, बलात्कार होते थे। हमारी सरकार में वही महिलाएं लखपति दीदी और ड्रोन दीदी बन रही हैं।

परिवारवाद पर निशाना

कांग्रेस और राजद को सिर्फ अपने परिवार की चिंता करते हैं। मोदी के लिए आप सब ही मोदी का परिवार हैं, इसलिए मोदी कहता है, सबका साथ-सबका विकास। ये लोग क्या कहते हैं।

Gen-Z प्रदर्शनकारियों ने कार्की का इस्तीफा मांगा

कहा- हमने कुर्सी पर बैठाया, हटाने में वक्त नहीं लगेगा; बिना सलाह के मंत्री चुनने का आरोप

राष्ट्रबाण | काठमांडू | एजेंसी | rashtrabaan.in

नेपाल में Gen-Z प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा है। वे कैबिनेट विस्तार को लेकर नाराज हैं। प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार प्रदर्शनकारियों की राय लिए बिना मंत्रियों को चुन रही है। इसका नेतृत्व सुदान गुरुंग कर रहे थे। गुरुंग ने धमकी देते हुए कहा, अगर हम फिर सड़क पर उतरे तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा। जिस कुर्सी पर बैठाया है, वहीं से निकाल फेंकेंगे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीनियर वकील ओमप्रकाश आर्यल सरकार में दखलअंदाजी कर रहे हैं। गुरुंग का आरोप है कि आर्यल ने खुद को गृहमंत्री बनाने का फैसला किया है। ओमप्रकाश आर्यल काठमांडू के मेयर बालेन शाह के करीबी माने जाते हैं। पीएम कार्की ने ओमप्रकाश आर्यल को गृह और कानून मंत्री, रामेश्वर खनाल को वित्त मंत्री और कुलमान घिसिंग को ऊर्जा मंत्री नियुक्त किया है।

गुरुंग ने नेपाल में Gen-Z आंदोलन का ऐलान किया था

36 साल के गुरुंग ने 8 सितंबर को काठमांडू में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। वे हामी नेपाल नाम के ह्तह्र के संस्थापक हैं।

2015 में बना यह संगठन आपदाओं के दौरान राहत पहुंचाने के लिए जाना जाता है। भूकंप और बाढ़ जैसी आपात स्थितियों में इसके सदस्य बचाव, भोजन और पानी की व्यवस्था करते रहे हैं। संगठन ने समय-समय पर छात्रों और प्रवासी नेपाली नागरिकों से जुड़े मुद्दे भी उठाए हैं।

भारत की जीडीपी में आएगा बड़ा उछाल; नीति आयोग की रिपोर्ट में अनुमान

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की वजह से बढ़ेंगी नौकरियां

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आने वाले दिनों में भारत की जीडीपी में बड़ा योगदान दे सकता है। आयोग के सीईओ ने बताया है कि आने वाले दिनों में इसकी वजह से नए रोजगार सृजित भी होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई के भविष्य में इस्तेमाल को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जाती हैं। यह दावे भी किए जाते हैं कि यह इंसानों के लिए रोजगार के अवसर सीमित कर देगा। हालांकि हाल ही में आई नीति आयोग की एक रिपोर्ट में इससे अलग संभावनाएं जताई गई हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक तमाम उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को तेजी से अपनाने से 2035 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 500 से 600 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है।

नीति आयोग की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट, 'विकसित भारत के लिए एआई: त्वरित आर्थिक वृद्धि के लिए अवसर' में कहा गया है कि आने वाले दशक में एआई का व्यापक इस्तेमाल, वैश्विक अर्थव्यवस्था में 17 से लेकर 26 लाख करोड़ डॉलर तक का योगदान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ''विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्रों में विशाल कार्यबल की मौजूदगी, तेजी से होते शोध और मजबूत डिजिटल क्षमताएं भारत को इस परिवर्तन में अहम भागीदार बना सकती हैं। इससे भारत को वैश्विक एआई मूल्य का 10 से 15 प्रतिशत तक लाभ उठाने अवसर मिलेगा।''

किन क्षेत्रों को फायदा?

नीति आयोग ने कहा है कि हालांकि कुछ निम्न कौशल वाले क्षेत्रों के कामकाज जरूर प्रभावित होंगे, लेकिन एआई से कई नए रोजगार पैदा भी होंगे। रिपोर्ट कहती है कि वित्तीय सेवाओं और विनिर्माण के क्षेत्र पर एआई के इस्तेमाल का सबसे बड़ा असर देखने को मिल सकता है। इन क्षेत्रों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 से 25 प्रतिशत तक योगदान एआई के जरिए हो सकता है। वहीं विनिर्माण क्षेत्र में 85 से 100 अरब डॉलर तक की प्रोडक्टिविटी बढ़ने का भी अनुमान है।

चुनावी जंग से पहले अंदरखाने की लड़ाई

NDA और INDIA ब्लॉक के सामने सीट शेयरिंग बड़ी चुनौती, जानें- कहां फंसा पेच?

राष्ट्रबाण

बिहार विधानसभा चुनाव के ऐलान में ज्यादा वक्त नहीं है. लेकिन चुनावी मैदान में उतरने के लिए कमर कस चुके दोनों प्रमुख गठबंधनों में सीट शेयरिंग को लेकर अबतक तस्वीर साफ नहीं हो पाई है. बात एनडीए की करें या फिर महागठबंधन की, दोनों खेमों का हाल एक जैसा ही नजर आ रहा है. एनडीए में सीट बंटवारे से पहले एक तरफ जहां छोटे घटक दलों के बीच खींचतान दिख रही है, तो वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन में वोटर अधिकार यात्रा के बाद आरजेडी और कांग्रेस अपने-अपने सिंगल प्लान को एक्टीवेट कर आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं. एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर अबतक बैठकों का दौर भी शुरू नहीं हुआ है, जबकि महागठबंधन के घटक दलों के बीच बैठकें तो हो रही हैं लेकिन कोई फॉर्मूला सामने नहीं आ पा रहा.

एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर जिस फॉर्मूले की चर्चा सियासी गलियारे में है उसके मुताबिक बीजेपी और जेडीयू के बराबर-बराबर सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही जा रही है. चर्चा ये भी है कि ये दोनों बड़े घटक दल सौ-सौ से ज्यादा सीटों पर अपना उम्मीदवार देंगे. एनडीए में शामिल चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी को भी उनकी ताकत के हिसाब से सीटें दिए जाने की चर्चा है. राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा सीट बंटवारे पर अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं हैं. लेकिन चिराग पासवान की पार्टी ने शुरुआती दौर में 40 सीटों पर दावेदारी की थी.

क्या चाहते हैं चिराग पासवान?

चिराग पासवान चाहते हैं कि उनकी पार्टी की सीटों की संख्या कम से कम इतनी हो की एवरेज स्ट्राइक रेट से भी वो इस स्थिति में रहें कि बिहार की सियासत में उनकी अहमियत बनी रहे. हालांकि एनडीए के अंदर सीट शेयरिंग को लेकर जिस फॉर्मूले की चर्चा सियासी गलियारे में है उसके मुताबिक चिराग पासवान की पार्टी को 20 के आसपास सीटें दी जा सकती हैं. संभव हो कि इतनी सीटों पर चिराग को राजी करवाने के लिए बीजेपी कोई और ऑफर भी दे.

एनडीए के अंदर सीट बंटवारे पर फंसे पेंच को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा चिराग की ही हो रही है. 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान किस तरह एनडीए से बाहर रहकर मैदान में उतरे थे और इसका खामियाजा जेडीयू को उठाना पड़ा था, यह शायद ही कोई भूला है. बिहार में महागठबंधन की तरफ से मिल रही चुनौतियों को देखते हुए बीजेपी और जेडीयू दोनों में से कोई भी या नहीं चाहेगा कि चिराग एक बार फिर से 2020 से वाली राह पर जाएं.

मांझी ने खुलकर रखी अपनी डिमांड : चिराग ने एनडीए के अंदर जो प्रेशर पॉलिटिक्स अपनाई है शायद उसी का असर है कि अब जीतन राम मांझी भी अपनी पार्टी की तरफ से मुखर होकर दावेदारी कर रहे हैं. मांझी ने भी अपनी पार्टी के लिए 15 से 20 सीटों की दावेदारी मीडिया के जरिए सामने रख दी है. मांझी इसके लिए जो तर्क दे रहे हैं वह उनकी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे के लिए मिलने वाले वोट परसेंटेज से जुड़ा है. जीतन राम मांझी ने ऐलान कर दिया है कि अगर उम्मीद के मुताबिक के सीटों की संख्या नहीं हुई तो उनकी पार्टी बिहार चुनाव में काम से कम 100 सीटों पर उम्मीदवार देगी. चिराग पासवान हो या फिर जीतन राम मांझी इन दोनों के बयानों पर फिलहाल जेडीयू और बीजेपी ने चुप्पी साथ रखी है.

अब तेजस्वी अकेले निकालेंगे यात्रा

मुकेश सहनी ने तो यहां तक कह दिया है कि तेजस्वी के सीएम कैंडिडेट के तौर पर नाम की घोषणा में देरी हुई तो इसका नुकसान महागठबंधन को उठाना पड़ सकता है. सहनी एक तरफ जहां तेजस्वी का नाम मुख्यमंत्री के लिए आगे कर रहे हैं तो वहीं खुद को डिप्टी सीएम का उम्मीदवार बता रहे हैं. महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जो खींचतान चल रही है उसका नतीजा भी देखने को मिल रहा है. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने भले ही एक साथ वोटर अधिकारी यात्रा की हो लेकिन अब तेजस्वी 16 सितंबर से बिहार अधिकार यात्रा पर अकेले निकल रहे हैं.

एनडीए में कहां फंसा है पेच?

सबसे पहले बात एनडीए गठबंधन की. एनडीए की तरफ से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, इसे लेकर तस्वीर साफ है. चुनावी तैयारी को लेकर एनडीए का विधानसभा स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलनों का दौर भी जारी है. एनडीए के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि चुनावी बिगुल बजने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलग-अलग कार्यक्रमों से बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में जोश भी भर रहा है. लेकिन बात अगर सीट शेयरिंग को लेकर करें तो अबतक एनडीए में घटक दलों के बीच बैठकों का दौर भी शुरू नहीं हो पाया है.

प्रेशर पॉलिटिक्स का दौर

कांग्रेस अब 'हर घर अधिकार' अभियान की शुरुआत करने जा रही है. इस अभियान के तहत कांग्रेस के बड़े से लेकर छोटे नेता तक बिहार के मतदाताओं के घर तक जाएंगे. कांग्रेस का यह नया अभियान इसी हफ्ते शुरू होगा, जिसका मकसद विधानसभा स्तर पर वोटर्स को कांग्रेस के साथ जोड़ना है. इस अभियान के जरिए कांग्रेस अपनी प्रस्तावित 'माई-बहन सम्मान योजना' के लिए हर विधानसभा क्षेत्र से कम से कम 50 हजार भरे हुए आवेदन पत्र लेगी. इस पूरे अभियान के जरिए कांग्रेस की नजर राज्य की महिला वोटर्स पर है. कांग्रेस ने महिला वोट बैंक को साधने के लिए अपने गठबंधन की सरकार बनने पर हर महिला को 2500 रुपये हर महीने देने का वादा किया है.

कश्मीर पहुंची भारतीय सेना की पहली मालगाड़ी,

लौटेगी सेब लेकर

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर में एक ऐतिहासिक घटना हुई है. उद्धमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) पर भारतीय सेना की पहली विशेष मालगाड़ी सफलतापूर्वक चली. 12-13 सितंबर 2025 को यह गाड़ी बीडी बारी से अनंतनाग पहुंची. इसमें 753 मीट्रिक टन एडवांस्ड विंटर स्टॉकिंग (एडब्ल्यूएस) सामान लदा था, जो सेना की इकाइयों के लिए था. यह कदम सेना की सर्दियों की तैयारी में क्रांति लाएगा.

यूएसबीआरएल क्या है और इसका महत्व?

यूएसबीआरएल भारत का एक महत्वाकांक्षी रेल परियोजना है, जो जम्मू को कश्मीर घाटी से जोड़ती है. इसकी कुल लंबाई 272 किलोमीटर है. यह हिमालय के कठिन इलाके से गुजरती है. इसमें दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल चेनाब ब्रिज ((359 मीटर ऊंचा) और भारत का सबसे लंबा रेल सुरंग पीर पंजाल (11.215 किमी) शामिल हैं.

यह परियोजना 2002 में शुरू हुई और जून 2025 में पूरी तरह चालू हो गई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को इसकी शुरुआत की, जब वंदे भारत ट्रेन को फ्लैग ऑफ किया गया. इस रेल लिंक से कश्मीर घाटी बाकी भारत से जुड़ गई, जो सड़कों पर भूस्खलन या बाढ़ से होने वाली परेशानियों को कम करेगी. अगस्त 2025 में पहली मालगाड़ी अनंतनाग पहुंची, जो सीमेंट ले जा रही थी. लेकिन भारतीय सेना की यह गाड़ी पहली विशेष मालगाड़ी है, जो सैन्य और सिविल उपयोग का उदाहरण है.

सिविल-मिलिट्री फ्यूजन: कश्मीरी सेब का निर्यात

यह गाड़ी सिर्फ सैन्य उपयोग की नहीं. वापसी में यह कश्मीरी सेब ले जाएगी, जो भारत के बाकी बाजारों में बेचे जाएंगे. यह ड्यूल-यूज लॉजिस्टिक्स का शानदार उदाहरण है. कश्मीरी किसान पहले भूस्खलन या बाढ़ से सड़कें बंद होने पर भारी नुकसान उठाते थे. अब रेल से उनका फल तेजी से बाजार पहुंचेगा, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी.

आम हो रही अमेरिका में राजनीतिक हिंसा

क्या नेताओं के भाषण आग में घी डाल रहे?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. क्या अमेरिकी युवाओं का गुस्सा बढ़ रहा है? क्या वे राजनीतिक रूप से ज्यादा संवेदनशील हो रहे हैं? सोच न मिले तो क्या वे हत्या कर सकते हैं? ये कुछ सवाल हैं, जो लगातार गहरा रहे हैं. दरअसल पिछले हफ्ते डोनाल्ड ट्रंप के करीबी दक्षिणपंथी नेता चार्ली कर्क की हत्या कर दी गई. मारने वाला 22 साल का युवक है, जो कर्क की राजनीतिक सोच के खिलाफ था. यह अकेला मामला नहीं. जून में डेमोक्रेटिक नेता मेलिसा हार्टमैन की परिवार समेत गोली मारकर हत्या कर दी गई.

वैसे अमेरिका का जन्म ही हिंसा से हुआ. वहां एक सदी से कुछ कम वक्त तक सिविल वॉर चला. इसके बाद नेताओं की हत्याओं का सिलसिला चल निकला, चाहे वो मार्टिन लूथर किंग हों या कैनेडी.

कुल मिलाकर, अमेरिकी राजनीति में हिंसा अक्सर दिखती रही, लेकिन अब ये ज्यादा डराती है. वजह? तब गन्स उतनी आसानी से नहीं मिलती थीं. अब दुनिया में लगभग 850 मिलियन हथियार निजी हाथों में हैं. इनमें से आधे से ज्यादा आर्म्स अमेरिका में हैं. हर 100 अमेरिकियों के बीच 120 गन्स. यानी, गुस्सा आए तो थमने-संभलने का कोई मौका नहीं.

क्या कहते हैं आंकड़े: प्रिंसटन यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 में सरकारी अधिकारियों पर हमले और धमकियों के 600 से ज्यादा मामले रिकॉर्ड किए गए. यह आंकड़ा साल 2022 से 70 गुना से भी ज्यादा है. कर्क की हत्या के बाद ट्रंप समेत कई रिपब्लिकन नेताओं ने लेफ्ट पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक हिंसा बढ़ा रहे हैं. एलन मस्क ने भी X पर लिखा कि लेफ्ट हत्यारों का दल है. माना जा रहा है कि किर्क को मारने वाला शख्स वामपंथी सोच का था और कई मामलों में कर्क की कट्टरता से नाराज था. लेकिन दूरदराज का अनाम एक युवक सीधे ट्रंप के करीबी नेता पर हमलावर क्यों हो गया?

राजनीतिक हिंसा को सही ठहराते हैं लोग: यही गुस्सा कई बार इतना बढ़ जाता है कि लोग मरने-मारने पर तुल आएं. अप्रैल में हुए एक सर्वे के अनुसार, हर पांच में से एक अमेरिकी मानता है कि कभी-कभार पॉलिटिकल हिंसा गलत नहीं. कई बार सबक सिखाने के लिए ये करना पड़ता है. इसमें एक पॉइंट ये भी है कि अगर लीडर गुस्सा या डर या निराशा जताएं तो उनके सपोर्टर भी वही महसूस करने लगते हैं. वहीं अगर वे शांति हों, या शांति की अपील करें तो हिंसा थम सकती है. अमेरिका ही नहीं, इसपर पूरी दुनिया में कई अध्ययन हो चुके, जो यही इशारा करते हैं.

भाषणों में बढ़े हिंसक शब्द

माना जा रहा है कि इसमें बड़ा हाथ उकसाऊ भाषणों का है. मिसाल के तौर पर ट्रंप को ही लें तो एक्सपर्ट मानते हैं उनके शब्द लगातार हिंसक होते चले गए. द कन्वर्सेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पहले कार्यकाल से ठीक पहले ट्रंप की बातों में 0.6% हिंसक शब्द थे, जो साल 2024 में बढ़ते हुए 1.6% तक चला गया. चुनाव से पहले ट्रंप ने कहा था कि देश में खून की नदियां बह सकती हैं. चुनाव जीतने के बाद भी वे चुप नहीं हुए, बल्कि लोगों के बीच या इंटरव्यू में बोलते हुए लगातार हत्या, रेप, ठग जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते रहे. हिंसक शब्दों से वे डर और गुस्से का माहौल बना देते हैं. डेमोक्रेटिक नेता भी बोलने में पीछे नहीं. पिछले साल उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप को फासिस्ट कहते हुए दावा किया था कि ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सेना उतार देंगे. ये भी अपने-आप में पर्याप्त माल-मसाले वाला बयान है, जो गुस्सा और डर साथ-साथ ले आए.

BMW कांड में बड़ा एक्शन

पुलिस ने गगनप्रीत को किया गिरफ्तार

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. दिल्ली के चर्चित बीएमडब्ल्यू कांड में पुलिस ने आरोपी महिला ड्राइवर गगनप्रीत मक्कड़ (38) को गिरफ्तार कर लिया है. इस भीषण हादसे में वित्त मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी नवजोत सिंह की मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी संदीप कौर गंभीर रूप से घायल हैं. जांच में सामने आया है कि टक्कर के बाद कुछ समय तक नवजोत जीवित थे.

पीड़िता संदीप कौर (52) ने पुलिस को दिए अपने बयान में सनसनीखेज खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि हादसे के तुरंत बाद उन्होंने बार-बार गुहार लगाई कि उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया जाए. लेकिन आरोपी ने नवजोत और उनकी पत्नी को अपनी वैन में डालकर घटनास्थल से करीब 19 किलोमीटर दूर ले जाकर एक अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस ने इस बयान को एफआईआर में दर्ज कर लिया है.

हादसे वक्त बीएमडब्ल्यू में सवार थे पांच लोग

उस वक्त उसकी बेटी को कोई अस्पताल अपने यहां भर्ती नहीं कर रहा था. उसे इस अस्पताल पर भरोसा था कि वहां पीड़ित का उचित इलाज होगा. इसके साथ ये भी जानकारी सामने आई है कि हादसे वक्त बीएमडब्ल्यू कार में पांच लोग सवार थे. इसमें आरोपी महिला गगनदीप ड्राइविंग सीट पर थी. उसका पति, बच्चा और मेड पीछे की तरफ बैठे हुए थे. इस हादसे में कार में सवार सभी लोगों को चोट आई थी.

इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाना), 125बी (दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वाले कृत्य), 105 (हत्या के बराबर न होने वाली गैर इरादतन हत्या) और 238

नवजोत को दूर अस्पताल क्यों ले गई गगनप्रीत?

संदीप कौर की गवाही के बाद ही पुलिस ने आरोपी महिला गगनीप्रीत मक्कड़ को हिरासत में लिया था.

फास्ट ट्रैक

3 करोड़ का टेंडर, 23 दिन चलेगा जश्न

राष्ट्रबाण

सहारनपुर . यूपी के सहारनपुर में ऐतिहासिक गुगाल (या गुघाल) मेले का आयोजन किया जा रहा है. इसका उद्घाटन 5 सितंबर को किया गया था. यह मेला 10 सितंबर से आम जनता के लिए खोला गया, जो 27 सितंबर तक चलेगा. मेले की अनुमति 23 दिनों के लिए दी गई है. यह आयोजन काली मंदिर पर होता है, जो जाहरवीर गोगा मेड़ी से जुड़ी धार्मिक परंपरा का हिस्सा है. इस मेले का टेंडर 3 करोड़ 8 लाख रुपये में फाइनल हुआ है. सुरक्षा और मनोरंजन का संगम मेला आयोजक सनी गुप्ता ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और पुलिस बल लगातार गश्त कर रहा है.

मेले की सबसे बड़ी खासियत यहां लगे जापानी तकनीक से बने आधुनिक झूले हैं, जो बच्चों और युवाओं को बेहद पसंद आ रहे हैं. इसके अलावा, मेले में जलपरी शो का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उमड़ रहे हैं. मेले का ऐतिहासिक महत्व गुघाल मेला सहारनपुर की एक पुरानी परंपरा है, जो कई दशकों से चली आ रही है. यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यहां मनोरंजन, व्यापार और सामाजिक मेल-जोल का भी केंद्र है.

गांजा पीकर ड्राइवर खो रहे होश

शराब-ड्रग्स की लत से हो रहे एक्सीडेंट

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत में सड़क हादसे हर साल लाखों लोगों की जान ले रहे हैं. अक्सर कहा जाता है कि तेज रफ्तार, खराब सड़कें हैं या ओवरलोडिंग के कारण ये हादसे हो रहे हैं. लेकिन एम्स ऋषिकेश की नई स्टडी ने कुछ और कारण खोज निकाले हैं, जिस पर गंभीरता से सोचना होगा. इस स्टडी में सामने आया है कि सड़क पर होने वाले आधे से ज्यादा हादसों में शराब जिम्मेदार होती है, वहीं हर पांचवें हादसे में गांजा या ड्रग्स और हर चौथे हादसे में थकान या नींद की झपकी का रोल होता है.

क्या कहते हैं आंकड़े : एम्स ऋषिकेश के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती हुए 383 ड्राइवर पीड़ितों पर रिसर्च में सामने आया कि 57.7% ड्राइवर शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे. वहीं 18.6% ने गांजा और दूसरी साइकोट्रॉपिक दवाएं ली थीं. इसके अलावा 14.6% ड्राइवर शराब और ड्रग्स दोनों के असर में थे. 21.7% को दिन में जरूरत से ज्यादा नींद (EDS) की समस्या थी. बाकी 26.6% को थकान और नींद से जुड़ी दिक्कतें थीं.

कैसे हुई स्टडी : एम्स के न्यूरोसाइकेट्री विभाग के विशेषज्ञ डॉ. रवि गुप्ता बताते हैं कि एम्स में हमने हर मरीज का ब्लड और यूरिन टेस्ट किया और validated sleep tools से उनकी नींद का पैटर्न समझा.

झपकी बनी मौत की वजह

एक रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लाखों हादसे ऐसे होते हैं जिनमें ड्राइवर का झपकी लेना एक बड़ी वजह होती है. परिवहन मंत्रालय के अनुसार 27% एक्सीडेंट ड्राइवर की नींद आने से होते हैं. कई हादसों में ड्राइवर ने खुद माना कि लंबी ड्यूटी और नींद न मिलने से कंट्रोल खो गया. आपको बता दें कि ड्राइवरों ने बातचीत में खुद माना कि ट्रक और बस ड्राइवर कई बार 24-30 घंटे लगातार गाड़ी चलाते हैं, जबकि नियम है कि एक दिन में 8 घंटे से ज्यादा ड्यूटी नहीं होनी चाहिए. देखा जाए तो नियम-कानून तो हैं, लेकिन जमीनी सच अलग है.

भारत पर भड़के जेलेंस्की का बड़ा दांव!

जानें- डीजल खरीद क्यों रोक रहा है यूक्रेन

राष्ट्रबाण

यूक्रेन के एनर्जी कंसल्टेंसी फर्म एनकोर (Enkorr) ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन भारत से डीजल की खरीद बंद करने जा रहा है. फर्म के मुताबिक, यूक्रेन 1 अक्टूबर से भारत से उत्पादित डीजल ईंधन के आयात पर प्रतिबंध लगाएगा. बताया जा रहा है कि यह रोक भारत के रूसी तेल की खरीद को देखते हुए लगाई जा रही है.

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एनकोर के हवाले से यह खबर दी है. एजेंसी के मुताबिक, यूक्रेन की एक अन्य कंसल्टेंसी, ए-95 ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि इस साल की गर्मियों में एक प्रमुख यूक्रेनी तेल रिफाइनरी को बंद करना पड़ा था.

रिफाइनरी के बंद होने की वजह से यूक्रेनी व्यापारियों को भारत से डीजल ईंधन खरीदकर आयात करके इसकी भरपाई करनी पड़ी. यहां तक कि यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने भी भारत से ईंधन की खरीद की है क्योंकि इसकी क्वालिटी काफी अच्छी मानी जाती है. रूस ड्रोन और मिसाइलों से यूक्रेन की तेल रिफाइनरियों और एनर्जी स्टोर करने वाले भंडारों पर हमले कर रहा है. इससे यूक्रेन की रिफाइनरियों और तेल स्टोरेज फैसिलिटी को नुकसान हुआ है.

एनकोर ने कहा कि यूक्रेन ने अगस्त में 119,000 टन भारतीय डीजल ईंधन का आयात किया, जो उसके कुल डीजल आयात का 18% है.

फरवरी 2022 में रूस के साथ युद्ध की शुरुआत से पहले यूक्रेन घरेलू उत्पादन की कमी को देखते हुए बेलारूस और रूस से डीजल ईंधन का आयात करता था. लेकिन युद्ध की शुरुआत के बाद से यूक्रेन यूरोपीय देशों से ईंधन खरीद रहा है. ए-95 ने कहा कि साल की पहली छमाही में डीजल ईंधन का आयात साल-दर-साल 13% घटकर 2.74 मिलियन मीट्रिक टन रह गया.

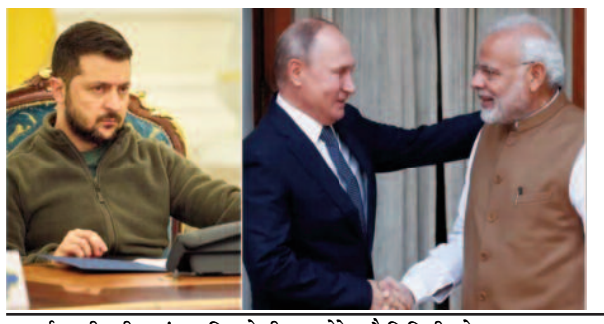

भारतीय डीजल की जांच करेगा यूक्रेन

एनकोर का कहना है कि यूक्रेनी सुरक्षा एजेंसियों ने आदेश दिया है कि भारत से खरीदे गए सभी तरह के डीजल की जांच की जानी चाहिए. फर्म ने कहा कि भारतीय डीजल की लैब में जांच हो ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि उसमें रूसी कॉम्पोनेंट्स मौजूद तो नहीं हैं.

हिंदू बनकर प्रेमजाल में फंसाया

शादी का झांसा देकर बनाए शारीरिक संबंध

राष्ट्रबाण

वडोदरा. गुजरात के वडोदरा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां एक मुस्लिम युवक ने खुद को हिंदू बताकर एक युवती को शादी का झांसा दिया और लंबे समय तक उसका यौन शोषण करता रहा. मामला मांजलपुर थाना क्षेत्र का है. युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी युवक का नाम इकबाल परमार है. उसने खुद को हिंदू बताते हुए अपना नाम प्रतीक पटेल बताया था.

आरोपी ने पहले दोस्ती की और फिर शादी का लालच देकर युवती को प्रेम संबंध में फंसा लिया. युवती का आरोप है कि आरोपी उसे कई बार राजस्थान घुमाने ले गया और शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए. इस दौरान वह तीन बार गर्भवती भी हुई.

नाम बदलकर युवती का यौन शोषण

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब उसे आरोपी की असली पहचान का पता चला तो उसने संबंध बनाने से इनकार कर दिया. इस पर आरोपी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और धमकी दी कि अगर वह उसकी नहीं हुई तो किसी और की भी नहीं होने देगा. युवती का कहना है कि आरोपी ने जहां भी मिलेगा वहां जान से मारने की धमकी दी.

नियम आम यात्रियोंयात्रियोंपरअसर

जनरल टिकट वालों के लिए आधार जरूरी?

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है. अब ऑनलाइन या काउंटर से तत्काल टिकट खरीदने के लिए यात्रियों को आधार आधारित ओटीपी वेरीफिकेशन करना अनिवार्य होगा. यह नियम 15 जुलाई 2025 से लागू हो गया है. रेलवे मंत्रालय का कहना है कि इस कदम का मकसद दलाल और फर्जी बुकिंग पर रोक लगाना है, ताकि आम यात्री को राहत मिल सके.

आधारऑथेंटिकेशनहोगाजरूरी: रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में जानकारी दी थी कि अब तत्काल टिकट बुक करने से पहले यात्री को ई आधार ऑथेंटिकेशन करना होगा. इसमें यात्री को अपने आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी मिलेगा, जिसे दर्ज करने के बाद ही टिकट बुक होगी. बिना ओटीपी के टिकट बुक करना संभव नहीं होगा. कई यात्रियों के मन में सवाल है कि क्या अब जनरल टिकट खरीदने के लिए भी आधार कार्ड दिखाना पड़ेगा. ऐसे में रेलवे अधिकारियों ने साफ किया है कि यह नियम केवल तत्काल टिकट बुकिंग पर लागू होगा. यानी साधारण जनरल टिकट लेने वाले लोगों को आधार कार्ड दिखाने की जरूरत नहीं है. यात्री पहले की तरह टिकट खिड़की या मोबाइल ऐप से बिना किसी पहचान पत्र के सामन्य टिकट खरीद सकते हैं.

नए सिस्टम में खास प्रावधान यह है कि तत्काल टिकट बुकिंग खुलने के शुरुआती 10 मिनट तक आईआरसीटीसी एजेंट टिकट बुक नहीं कर पाएंगे. एसी क्लास टिकट के लिए सुबह 10 बजे से 10:30 बजे तक एजेंट बुकिंग नहीं कर सकेंगे वहीं नॉन एसी क्लास टिकट के लिए सुबह 11 बजे से 11:30 तक एजेंट बुकिंग नहीं कर पाएंगे. जिससे आम लोगों को पहले टिकट पाने का ज्यादा मौका मिलेगा.

आधार कोआईआरसीटीसीअकाउंट से करनाहोगालिंक

जो यात्री ऑनलाइन टिकट बुक करते हैं उन्हें पहले से ही अपना आईआरसीटीसी प्रोफाइल आधार कार्ड से लिंक करना जरूरी होगा. इसके लिए आईआरसीटीसी वेबसाइट या रेल कनेक्ट ऐप पर लॉगिन करना होगा इसके बाद माय अकाउंट सेक्शन में जाकर ऑथेंटिकेट यूजर पर क्लिक करना होगा. अब यूजर को आधार नंबर दर्ज करके ओटीपी से वेरीफाई करना होगा. इस प्रक्रिया के बाद आपका अकाउंट आधार से जुड़ जाएगा और आप आसानी से तत्काल टिकट बुक कर पाएंगे.

एमपी में बनेगा इंजीनियर ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट

सीएम ने कहा- ऐसा इंस्टीट्यूट बनेगा जिसमें दूसरे प्रदेशों से भी ट्रेनिंग लेने आएंगे इंजीनियर

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश में इंजीनियरिंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट बनेगा। जिसमें ट्रेनिंग देकर इंजीनियरों को दक्ष बनाया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे इंजीनियर-डे पर सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियंता का मतलब आरंभ और शुभारंभ कर्ता है। सीएम ने कहा कि वैज्ञानिक शोध करते हैं, लेकिन जनता की सुगमता के लिए बीच की कड़ी अभियंता होते हैं। कोरोना के दौर में हमने नमस्कार को चमत्कार देखा। अच्छे-अच्छे राष्ट्राध्यक्ष हाथ जोड़े खड़े थे। पार्लियामेंट की दोनों डिजाइन देखो तो पुरानी वाली मितावली पढ़ावली की है। नए भवन की डिजाइन हमारे बीजा मंडल की है। सृजन वालों से आज के समय में अभियंता ही जुड़ता है। अभी मप्र के इंजीनियर ट्रेनिंग एंड रिसर्च के लिए प्रदेश से बाहर जाते हैं। ऐसा इंस्टीट्यूट बनेगा कि दूसरे प्रदेशों से भी यहां ट्रेनिंग लेने इंजीनियर आ सकेंगे।

कई सरकार हमारे कामों को अपना रहीं

सीएम ने कहा कि देश में कई सरकारें हमारे कामों को अपना रही हैं। समय पर निर्माण करने वालों को सम्मानित करना चाहिए। वो जमाना गया जब ताजमहल बनने के बाद हाथ काट दिए जाते थे। अब तो ताजमहल जैसे कामों का ठेका लेने दस लोग खड़े रहते हैं। पुष्पक विमान की विशेषता थी कि कम लोग हों तो वह सिकुड़ जाता था और ज्यादा लोग हों तो साइज बढ़ जाता थे, लेकिन एक सीट खाली रह जाती थी। आज वैसा विमान बना नहीं। आप लोग बजरंगबली से कम थोड़े हो बुद्धि से रास्ते बनाने का काम इंजीनियर करते हैं चिनाव जैसे ब्रिज आप लोगों ने बनाए।

अच्छे काम के लिए पुरस्कार भी मिलना चाहिए

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि हम ईको फ्रेंडली इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहे हैं। काम में गड़बड़ी न हो, इसलिए औचक निरीक्षण कर ठेकेदारों पर कड़ाई की जा रही है। दंड लगा रहे हैं। दंड सुधार के लिए होता है, अच्छे काम के लिए पुरस्कार भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हम 7 इंजीनियर और 4 कॉन्ट्रैक्टर को पुरस्कार दे रहे हैं। अच्छा अभियंता केवल तकनीकी ज्ञान से नहीं बल्कि अच्छे वर्क से बनता है। हम इंजीनियर को नई तकनीक से काम करने की बात करते हैं तो हमें उनके साथ खड़े होकर उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष करना पड़ेगा। ट्रेनिंग के लिए राज्य के बाहर न जाना पड़े बल्कि देश के इंजीनियर यहां ट्रेनिंग लेने आएं। कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव, लोनिवि मंत्री राकेश सिंह, पीएस सुखवीर सिंह, एमपीआरडीसी के एमडी भारत यादव, बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के एमडी सीबी चक्रवर्ती और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

इंजीनियरिंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थापना करेंगे

मंत्री ने कहा कि हम इंजीनियरिंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना करने जा रहे हैं। ये मध्य प्रदेश के सभी इंजीनियर को ट्रेनिंग देकर दक्ष करेगा। लोक निर्माण प्रबंधन प्रणाली मुख्यमंत्री के हाथों लॉच कर रहे हैं। ये काम की प्लानिंग से लेकर भुगतान तक में मदद करेगी और कागजी कार्रवाई से मुक्ति मिलेगी। लोक ट्रेनिंग मोबाइल एप शुरू हो रहा है। कुछ मिनट में इंजीनियर त्रढ्ढस्-मैपिंग कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी तो कहने को तो डेटा है लेकिन वास्तव में वो डेटा मैच नहीं होता। इस ऐप के माध्यम से सटीक डेटा इंजीनियर के पास होगा। विभाग का मासिक न्यूजलेटर प्रकाशित कर रहे हैं। विभाग के नए काम, नवाचार, समय पर पूरे होने वाले कामों को इन न्यूजलेटर में प्रकाशित किया जाएगा। पीएम गति शक्ति पर पुलों की डिजाइन की व्यवहारिकता का आकलन होगा। विभाग की सभी संपत्तियों की जानकारी पीएम गति शक्ति पोर्टल पर होंगी।

ये काम हो गए तो आपके ऊपर कम उंगलियां उठेंगी

भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट के सहयोग से दो ऐप नि:शुल्क बने हैं। गति शक्ति ऐप पर नियमित प्लानिंग करेंगे। लंबी अवधि के प्रोजेक्ट्स की निगरानी आसान होगी। एक ऐप बनकर हर काम का निर्धारण होगा। इंजीनियर को डेटा डालना पड़ेगा। दो महीने में ये ऐप बन जाएगा। बजट की प्लानिंग साइंटिफिक तरीके करने का काम करेंगे। एक रुपए खर्च किए बगैर ये सारी तैयारियों कर रहे हैं। हम लोग आते जाते रहते हैं ये विभाग इंजीनियर का है। अगर ये काम हो गए तो आपके ऊपर कम उंगलियां उठेंगी।

आप निर्माण नहीं दो गांव के लोगों को जोड़ते हैं

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कहा कि आप केवल निर्माण नहीं करते, रोड-पुलिया बनाकर दो गांवों के लोगों और उनकी भावनाओं को जोड़ रहे होते हैं। भारत का आज इन्फ्रास्ट्रक्चर चाहे डिजिटल रेलवे हो, पोर्ट हो, हर क्षेत्र में पिछले 10-12 साल में बड़ी प्रगति हुई है। प्रशांत पाल ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा प्रार्थना केंद्र कंबोडिया में हिंदू मंदिर है। उस राष्ट्र के राष्ट्रध्वज पर मंदिर दिखता है। ये सब अभियंताओं ने किया। मुख्यमंत्री नया मध्य प्रदेश बना रहे हैं। हम सब इसमें जुड़ेंगे तो देश के सामने नए मध्य प्रदेश की नई तस्वीर दिखेगी।

भारत में बोली जाती हैं सर्वाधिक भाषा-बोलियां : सीएम

भोपाल में हुआ हिंदी अलंकरण सम्मान समारोह; साहित्यकार, शोधकर्ता और मनीषी हुए सम्मानित

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल के रविन्द्र भवन स्थित हंसध्वनि सभागार में सोमवार को राष्ट्रीय हिन्दी अलंकरण सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देशभर से चयनित साहित्यकारों, शोधकर्ताओं और मनीषियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दुनिया का ऐसा कोई देश नहीं जहां पर सर्वाधिक बोली और भाषा बोली जाती है। वह एकमात्र देश हमारा भारत है। कदम-कदम पर बदलते कहां-कहां से क्या-क्या और कैसी-कैसी भाषाएं हैं। हमारी रानी दुर्गावती 52 युद्ध लड़ती थी। ऐसे इनके जीवन पर काव्य लिखकर पाठ्यक्रम में पहुंचाना चाहिए। भोज के शासन काल में कवियों की प्रतियोगिता होती थी। ऐसा माना जाता है कि राजा भोज एक-एक शब्दों पर सोने की ईंट देते थे। यह हमारी भाषाओं को प्रोत्साहन देने का उज्जवल काल था।

बी इंडियन, बाय इंडियन अभियान का शुभारंभ

समारोह में न केवल विभूतियों को अलंकृत किया गया, बल्कि नए प्रकाशनों का लोकार्पण और 'बी इंडियन, बाय इंडियन, हमारी-लक्ष्मी हमारे पास' अभियान का शुभारंभ भी हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने की। समारोह के दौरान विविध प्रकाशन का विमोचन हुआ। जिनमें भारतीय भाषा आलोक, समाज की भाषा का संकल्प, भोजपुरी प्रतिभाएं, शिवगीता, अवधूतगीता, श्रीकृष्ण चरित्र और श्रीराधा द्वापर युग की महानायिका जैसे ग्रंथ शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को विक्रमोत्सव 2025 के लिए एशिया के शासकीय समारोह की विशेष श्रेणी में मिला गोल्ड अवॉर्ड भी भेंट किया गया। यह सम्मान डब्ल्यूओडब्ल्यू अवॉर्ड एशिया की टीम द्वारा दिया गया।

साहित्य, समाज और तकनीक का संगम

यह आयोजन न सिर्फ साहित्यकारों बल्कि तकनीकी, समाजसेवी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से काम करने वाले विशेषज्ञों को भी सम्मानित किया गया। विदेशी विद्वानों को भी हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सराहा गया।

भोपाल-इंदौर की दूरी 50किमी कम होगी, दो घंटे में पहुंचेंगे

148 किलोमीटर का हाईस्पीड एक्सप्रेस-वे का रूट फाइनल; 2029 तक होगा तैयार

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

इंदौर से भोपाल तक सड़क मार्ग से जाने में फिलहाल साढ़े तीन घंटे से लेकर 4 घंटे तक का समय लगता है। अब ये दूरी महज डेढ़ से दो घंटे में पूरी होगी। दरअसल, मप्र सरकार दोनों शहरों के बीच हाईस्पीड एक्सप्रेस-वे कॉरिडोर बनाने जा रही है। इसका रूट फाइनल हो चुका है। इस कॉरिडोर के बनने से दोनों शहरों के बीच की दूरी 45 से 50 किमी कम हो जाएगी। यह दूरी 198 से घटकर करीब 148 किलोमीटर रह जाएगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया इसे भारत माला हाईवे की तर्ज पर डेवलप करेगी। राज्य सरकार की सैद्धांतिक सहमति के बाद एनएचएआई ने इसकी अलाइनमेंट डीपीआर मंजूरी के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय को भेज दी है। मंजूरी मिलने के बाद एक्सप्रेस वे का मैदानी काम शुरू होगा।

मौजूदा हाईवे पर ट्रैफिक का दबाव

इंदौर-भोपाल के बीच जो मौजूदा सड़क है, उस पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा है। एनएचएआई ने ट्रैफिक डेटा का विश्लेषण किया तो पाया कि यहां से रोजाना 30 हजार से ज्यादा वाहन गुजरते हैं। आने वाले समय में जैसे- जैसे आबादी बढ़ेगी, ट्रैफिक का दबाव बढ़ता जाएगा। ऐसे में दोनों शहरों के बीच नया कॉरिडोर बनाने की जरूरत है।

कई हिस्सों में जाम के हालात

मौजूद हाईवे पर कई स्पॉट पर जाम के हालात बनते हैं। मेहतवाड़ा से लेकर डोडी तक जाम लगता है। यहां कई वाहन खड़े रहते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती है। जावर जोड़ से होकर निकलने वाली बसें यहां रुकती है। यात्रियों को यहीं से बैठाया जाता है। सीहोर के पास कुबेरेश्वर धाम की वजह से भी आए दिन जाम के हालात बनते हैं। इसी साल सावन के महीने में कुबेरेश्वर धाम की कांवड़ यात्रा में 5 लाख श्रद्धालु जुटे थे। हाईवे पर 72 घंटे तक जाम लगा रहा।

हाईवे से सटे कस्बे ट्रैफिक में रुकावट

भोपाल-इंदौर हाईवे सीहोर, आष्टा और सोनकच्छ कस्बों के लिए बायपास रोड है। इन कस्बों में रहने वाले लोग इंदौर या भोपाल जाने के लिए इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। किसान भी अपने खेतों पर जाने के लिए इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। इस वजह से यहां टू व्हीलर, ट्रैक्टर की आवाजाही भी रहती है।

नई दवाएं आईसीयू में बेअसर, पुरानी एंटीबायोटिक पर लौटे डॉक्टर, खत्म नहीं हो रहा बैक्टीरिया

न्यूट्रिशन के लिए खरीदे जा रहे 1000 करोड़ के सप्लीमेंट

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

ईसीयू में मौजूद क्रिटिक मरीज से लेकर कई सामान्य मरीज सही इलाज के बावजूद ठीक नहीं हो रहे, क्योंकि दवाओं का असर घट रहा है। यह स्थिति एंटी माइक्रोबियल रजिस्टेंस (रूक्र) की वजह से है। जो पूरी दुनिया में चिकित्सा विज्ञान के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। यह कहना है एलएन मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. डीपी सिंह का। उन्होंने कहा कि नए डॉक्टरों में मरीजों के प्रति स्नेह और मानवीय व्यवहार की कमी दिखने लगी है। मरीज और उनके परिजन में भी धैर्य की कमी है। जिससे अस्पतालों में विवाद की घटनाएं बढ़ी हैं। दरअसल, भोपाल में 14 सितंबर को राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन का आयोजन किया गया। आधुनिक चिकित्सा चुनौतियां और समाधान विषय पर चर्चा के लिए देशभर के 100 डॉक्टर, रिसर्चर और स्पेशलिस्ट शामिल हुए थे। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने इस बात पर भी चिंता जताई कि लोगों को विटामिंस और मिनरल्स दवाओं के तौर पर लेने पड़ रहे हैं। इससे एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार सिर्फ विटामिन, मिनरल और न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट्स का हो गया है। विशेषज्ञों ने डॉक्टरों की नई पीढ़ी की चुनौतियों पर भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि कई तरह के बैक्टीरिया को खत्म करने में असरदार मेरोपेनम, पेनिसिलिन, अमॉक्सीसिलिन जैसी दवाएं अब आईसीयू में भी बेअसर साबित हो रही है। जबकि कभी बेअसर साबित हो चुकी सेपटोन और क्लोरोफेनिकोल अब दोबारा असर दिखाने लगी है। जिससे उन्हें डॉक्टर लिखने लगे हैं।

एक्सपर्ट ने बताया, इसलिए दवाएं हो रहीं बेअसर

डॉ. डीपी सिंह ने बताया- एंटीबायोटिक्स का प्रयोग बैक्टीरिया से होने वाले इन्फेक्शन के इलाज में होता है। यह बैक्टीरिया के स्ट्रक्चर और फंक्शन को टारगेट करती हैं। लेकिन शरीर में बार बार एंटीबायोटिक पहुंचने से शरीर में दवा के प्रति ही एंटी रजिस्टेंस पैदा हो जाता है। जिससे दवा का असर खत्म हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आम लोगों के साथ अस्पतालों में भी एंटीबायोटिक पॉलिसी का सख्ती से पालन हो। डब्लूएचओ के अनुसार एएमआर के चलते हर साल 50 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यही हाल रहा तो साल 2050 तक मौत का आंकड़ा 1 करोड़ के पार चला जाएगा। चिकित्सा जगत के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि पिछले 30 साल में नई एंटीबायोटिक्स की केवल दो ही क्लास सामने आई हैं। यानी मरीजों के इलाज के लिए विकल्प बेहद सीमित हैं।डॉ. डीपी सिंह ने कहा कि आईसीयू में जब गंभीर मरीज भर्ती होते हैं, तो हमारे पास आधुनिक उपकरण और इलाज की व्यवस्था होती है। लेकिन जब दवा ही असर न करे तो मरीज को बचाना मुश्किल हो जाता है।

तालमेल की कमी से मरीजों का भरोसा टूटा

इंदौर से आए थायरॉइड, डायबिटीज और ओबेसिटी स्पेशलिस्ट डॉ. राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज मेडिसिन से जुड़ी ढेरों रिसर्च हो रही हैं, लेकिन इनका लाभ मरीजों तक नहीं पहुंच पा रहा। एक ओर इन रिसर्च के आधार पर पूरा भरोसा कर इलाज किया जा रहा है, तो दूसरी ओर कई बार इन्हें लागू ही नहीं किया जाता। इस असमानता से मरीजों का डॉक्टरों पर भरोसा कम हो रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि रिसर्च के परिणामों का पूरा आकलन कर सर्वसम्मति से इन्हें लागू किया जाए।

विटामिंस और मिनरल्स दवाओं के रूप में लेने पड़ रहे

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि आज लगभग हर व्यक्ति न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी से जूझ रहा है। हमारी थाली में आने वाले फल और सब्जियां दिखने में भले ही खूबसूरत और साफ हों, लेकिन लंबे स्टोरेज, पेस्टीसाइड और केमिकल की वजह से उनके अंदरूनी पोषक तत्व कम हो गए हैं। यही कारण है कि अब हमें विटामिंस और मिनरल्स दवाओं के रूप में लेने पड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक नई रिपोर्ट से सामने आया कि मप्र और छत्तीसगढ़ में हर साल 10 हजार करोड़ से ज्यादा की दवाएं खरीदी जाती हैं। जिसमें एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार सिर्फ विटामिन, मिनरल और न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट्स का है।

पानी भरे गड्ढे में डूबने से मासूम की मौत

गौशाला में भाई के साथ खेलते समय हादसा, बीमार मां घर में आराम कर रही थी

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

बगदोरा स्थित एक गौशाला में बने गोबर और पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 5 साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। घटना रविवार को तब हुई, जब बच्ची अपने बड़े भाई के साथ खेल रही थी। कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि मृतक बच्ची आयुषी उर्फ बिन्नी मूलत~ ग्राम त्योंदा, जिला विदिशा निवासी मुकेश मालवीय की बेटी थी। मुकेश बगदोरा में स्थित श्री श्याम शरस गौशाला में काम करते हैं और परिवार वहीं रहता है। रविवार को आयुषी अपने 8 साल के बड़े भाई कृष्णा के साथ गौशाला में खेल रही थी। उस समय उसकी मां बीमारी के कारण घर में आराम कर रही थीं। अचानक कृष्णा ने बताया कि आयुषी गड्ढे में गिर गई है और दिखाई नहीं दे रही। घटना की सूचना मिलने पर पिता मुकेश गड्ढे में उतरे और अपनी बेटी को पानी और गोबर में डूबी हुई पाया। बच्ची को तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि गड्ढे में बारिश का पानी भर गया था। कटारा हिल्स पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय किसान संघ पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन, करणी सेना परिवार ने समर्थन दिया

एमपी में लैंड पूलिंग एक्ट के विरोध में प्रदर्शन

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ के लिए किसानों की जमीनों के स्थायी अधिग्रहण के मामले पर आरएसएस के अनुषांगिक संगठन भारतीय किसान संघ ने सोमवार को पूरे मप्र में विरोध प्रदर्शन किया। उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र में करीब 17 गांवों के किसानों की जमीनों का स्थायी अधिग्रहण को लेकर किसान और भारतीय किसान संघ आज प्रदेश भर में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को उज्जैन में करीब 500 से ज्यादा ट्रैक्टरों की रैली निकाली जा रही है। उज्जैन के विरोध प्रदर्शन में भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्रा भी शामिल हुए हैं। मिश्रा लैंड पूलिंग एक्ट को लेकर किसान संघ के आगे के आंदोलन की भी घोषणा करेंगे।

प्रधानमंत्री के नाम दी जाने वाली किसानों की मांगें

- ती में लगने वाले बीज, खाद, दवाई और यंत्रों से जीएसटी पूरी तरह हटाया जाए।
- फसलों की आयातङ्कनिर्यात नीति किसानों के हित में बनाई जाए। जब हमारी फसल तैयार हो तब बाहर से आयात न किया जाए।
- खेती के सभी यंत्र, दवाइयां और बीज पर जीएसटी की दर बहुत कम रखी जाए।
- जीएम (जीन बदलकर बनाए गए) बीजों को देश में किसी भी हाल में आने की अनुमति न दी जाए।
- सरकार ने कपास पर जो आयात शुल्क हटाया है, उसे फिर से लगाया जाए।
- जमीन का अधिग्रहण केवल राष्ट्रीय महत्व और विकास की योजनाओं के लिए ही हो। पूरे देश में इसके लिए एक समान कानून बने।
- बैंकों की वजह से किसानों को योजनाओं का पूरा फायदा नहीं मिल पाता। हर जिले में एक अधिकारी नियुक्त किया जाए और किसानों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी हो।
- कृषि लोन और किसान क्रेडिट कार्ड की प्रक्रिया आसान, ऑनलाइन और पारदर्शी की जाए। दस्तावेज देने के बाद भी परेशान करने वाले बैंक अधिकारियों पर कार्रवाई हो।
- जैसे मुद्रा लोन तुरंत मिलता है, वैसे ही किसानों को भी तुरंत कृषि लोन मिले।
- खेती में लगने वाले डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए। हर ग्राम पंचायत में वर्षा नापने की मशीन (वर्षा मापक यंत्र) लगाई जाए।
- हर जिले में कृषि कॉलेज खोले जाएं और छोटी कक्षाओं से ही बच्चों को कृषि की पढ़ाई कराई जाए।
- सभी फसलों की खरीदी पूरे साल समर्थन मूल्य पर की जाए।
- किसान सम्मान निधि की राशि महंगाई के अनुसार बढ़ाकर 10,000 प्रति हेक्टेयर की जाए।
- जैविक खेती करने वाले किसानों को भी खाद की सब्सिडी जितना ही प्रोत्साहन दिया जाए।
- फसल बीमा योजना में सैटेलाइट से सर्वे सही नहीं है। इसे बदलकर फिर से खेत में जाकर जांच (नेत्रांकन) से नुकसान का आकलन किया जाए।

साढ़े तीन लाख की शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

लग्जरी कार में भरकर विदिशा से भोपाल लाई जा रही थी शराब, घेराबंदी कर पकड़ा

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल में लग्जरी कार से शराब की तस्करी करने वाले तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से साढ़े तीन लाख रुपए कीमत की 254 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। यह शराब विदिशा से भोपाल लाई जा रही थी। जिसकी डिलिवरी अलग-अलग होटलों में दी जानी थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। टीआई रामबाबू चौधरी ने बताया कि रविवार रात को मुखबिर की सूचना पर बायपास चौराहा से घेराबंदी कर सफारी स्ट्रोम वाहन को रोका था। इसकी तलाशी में डिक्की और पिछली सीट में भरी 28 पेटी अंग्रेजी शराब मिली। जिसकी कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपए है। पूछताछ करने पर आरोपी की पहचान आदिल शेख (29) निवासी विदिशा के रूप में की गई।

अलग-अलग स्थान पर खपाई जानी थी शराब

आरोपी ने बताया कि वे भोपाल में अलग-अलग स्थानों पर इस शराब को खपाने वाला था। पूछताछ कर उसके सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी की कार को भी जब्त कर लिया गया है।

संपादकीय

चीफ जस्टिस के पटाखे खामोशी, कोर्ट ठंडा है!

पूरे देश में पटाखों पर प्रतिबंध लगना चाहिए. चीफ जस्टिस भूषण गवई ने राय व्यक्त की है कि पटाखों ने प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा कर दी है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पटाखों से वायु प्रदूषण आदि होता है. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया है. इस पर चीफ जस्टिस साहब की महत्वपूर्ण राय है कि 'स्वच्छ हवा का अधिकार केवल राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों तक ही सीमित क्यों होना चाहिए? अन्य शहरों और राज्यों के लोग भी इसी तरह के खतरों का सामना कर रहे हैं. देश के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ हवा का अधिकार है.' चीफ जस्टिस ने कुछ भी गलत नहीं कहा, लेकिन क्या ऐन दिवाली के पहले चीफ जस्टिस द्वारा स्वच्छ हवा के अधिकार पर टिप्पणी करने से देश की हवा बदल जाएगी? मूल रूप से देश की हवा, पानी, आकाश और जमीन अब तानाशाहों के हाथों में है और तानाशाह हवा की दिशा, नदियों के प्रवाह को तय करते हैं. समान न्याय, संविधान के अनुसार न्याय यह अधिकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने प्रत्येक भारतीय को दिया था, लेकिन क्या यह न्याय आज वास्तव में दिया जा रहा है? न तो स्वच्छ हवा है और न ही निष्पक्ष न्याय. जज आते हैं और प्रवचन झाड़कर चले जाते हैं, तो ऐसे में पटाखों पर प्रतिबंध और स्वच्छ हवा के अधिकार का और क्या होगा? महाराष्ट्र और देश में दिवाली के त्योहार पर पटाखे फोड़े जाते हैं. धार्मिक उत्सवों और विजय जुलूसों में पटाखों का इस्तेमाल होता है. देश के लाखों लोग पटाखा उद्योग पर निर्भर हैं. क्या इस पटाखा उद्योग पर प्रतिबंध लगाकर सुप्रीम कोर्ट सरकार को इन गरीब मजदूरों की आजीविका के लिए कोई योजना देने जा रहा है? दूसरी बात, हम यह मानने को तैयार नहीं हैं कि केवल पटाखे ही प्रदूषण या पर्यावरण क्षरण का कारण हैं. पिछले दस सालों में महाराष्ट्र समेत देश में व्यापारिक कारणों से जितनी वनों की कटाई, पेड़ों की कटाई और पहाड़ों की कटाई हुई है, उतनी तो ब्रिटिश काल में भी नहीं हुई होगी. चंद्रपुर, गढ़चिरौली आदि महाराष्ट्र के कई हिस्सों में वैध और अवैध रूप से खनन उद्योग चल रहा है और ईमानदारी के साथ ऊपर से नीचे तक हफ्ताबाजी चल रही है. महाराष्ट्र में पहाड़ों को सीधे और तिरछे काटकर जो तबाही मचाई जा रही है, वह सरकारी संरक्षण के बिना संभव नहीं है. मुंबई में 'मेट्रो' नामक विकास के नाम पर आरे के जंगल में हजारों पेड़ काट दिए गए और मुंबई को स्वच्छ हवा देने वाले फेफड़ों की ऐसी की तैसी कर दी गई. ऐसे समय में क्या मुंबईकरों को स्वच्छ हवा का अधिकार नहीं है? आरे के जंगल को मुंबईकरों को 'ऑक्सीजन' देने वाले फेफड़ों के रूप में जाना जाता है. जब क्षेत्र के लोगों ने इन परियोजनाओं को रोका, तो उन पर बंदूकें तान दी गईं.

आरे के जंगल को बचाने के लिए विरोध करने वाले पर्यावरण कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पीटा और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए. पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली कई रासायनिक परियोजनाएं समुद्र और नदियों के किनारे लाई जा रही हैं और लोगों के स्वच्छ पानी के अधिकार का भी उल्लंघन किया जा रहा है. प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर कोंकण में भी एनरॉन से लेकर जैतापुर-नानार तक विनाशकारी रासायनिक परियोजनाएं लाने की कोशिशें हुई हैं.

पटाखों से वायु, जल और मिट्टी सभी होते हैं प्रदूषित

देश के विभिन्न शहरों में बढ़ता प्रदूषण एक गंभीर और जटिल समस्या बनता जा रहा है. हवा, पानी और जमीन में प्रदूषण के जहरीले तत्वों के घुलने से मानव जीवन तथा पर्यावरण के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है. इसका असर सांस एवं अन्य तरह की बीमारियों में वृद्धि और कृषि उत्पादन में कमी के रूप में भी देखा जा रहा है. इतना ही नहीं, प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में तेजी का कारण भी बन रहा है, जिससे बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति बढ़ रही है. प्रदूषण बढ़ने के कई कारण हैं, जिनमें पटाखे भी शामिल हैं.

देश की राजधानी दिल्ली प्रदूषण को लेकर हमेशा चर्चा में रहती है, जबकि ऐसा नहीं है कि देश के अन्य शहरों में प्रदूषण कम है. दिवाली और दशहरे के मौके पर पटाखे चलाए जाने से दिल्ली समेत देश के कई शहरों में वायु गुणवत्ता का स्तर काफी नीचे गिर जाता है. ऐसे में दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के विनियमन की मांग पर सर्वोच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि अगर स्वच्छ हवा राष्ट्रीय राजधानी के 'कुलीन' निवासियों का अधिकार है, तो यह पूरे देश के नागरिकों को भी मिलना चाहिए.

दरअसल, पटाखों से होने वाला प्रदूषण बहुआयामी है. इसमें वायु और ध्वनि प्रदूषण के अलावा मिट्टी और जल प्रदूषण भी शामिल है. पटाखों से होने वाला वायु प्रदूषण विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि इससे निकलने वाले महीन कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) फेफड़ों और रक्तप्रवाह में गहराई तक प्रवेश कर जाते हैं, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं.

पटाखे चलाने के दौरान जहरीली गैसों के अलावा प्लास्टिक के सूक्ष्म कण और कई खतरनाक धातुओं के कण भी निकलते हैं, जो वातावरण और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं. साथ ही कार्बन डाइआक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन वैश्विक ताप और जलवायु परिवर्तन की गति को बढ़ाने का काम करता है. हमारी सामाजिक सोच अब ऐसी हो गई है कि त्योहार हो, विवाह समारोह हो या कोई अन्य विशेष कार्यक्रम, पटाखों के बिना उसे अधूरा माना जाता है. खुशी और उत्साह में हम यह भूल जाते हैं कि पर्यावरण में जो जहर में हम घोल रहे हैं, वह हमारे जीवन के लिए कितना खतरनाक है.

स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आइक्यूएअर की हालिया वैश्विक रपट के मुताबिक, भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे प्रदूषित देश है. दुनिया के बीस सबसे प्रदूषित शहरों में से तेरह भारत में हैं. इनमें असम-मेघालय सीमा पर स्थित बर्नीहाट को विश्व स्तर पर सबसे प्रदूषित शहर के रूप में चिह्नित किया गया है. इसके अलावा, इस सूची में दिल्ली, पंजाब का मुल्लांपुर, राजस्थान का भिवाड़ी और गंगनगर भी शामिल है. इससे साफ है कि प्रदूषण का मसला सिर्फ दिल्ली से ही नहीं जुड़ा है, बल्कि देश के अन्य शहरों में भी स्थिति गंभीर होती जा रही है. इसलिए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के नागरिकों को मिलना चाहिए. इसमें दोराय नहीं कि पटाखों पर चुनिंदा तरीके से प्रतिबंध लगाने से व्यापक रूप ले चुकी इस समस्या से निजात मिलना संभव नहीं है. दिल्ली जैसे शहरों की स्थिति किसी अन्य शहर में पैदा होने का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए. इसलिए इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि प्रदूषण से निपटने के लिए पटाखों पर प्रतिबंध की अगर कोई नीति बने, तो वह देश भर में लागू होनी चाहिए.

वॉल्यूम कम कर, भीड़ कम है!

अनाउंसमेंट से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा अब 'स्टेशन पर जितने यात्री, उतनी ही आवाज की तीव्रता'- इस फॉर्मूले पर आधारित अत्याधुनिक स्पीकर्स प्लेटफॉर्म और ब्रिज पर जगह-जगह लगाए जाएंगे. इससे अब भीड़ के अनुसार, अनाउंसमेंट की आवाज कम या ज्यादा होगी. अगर स्टेशनों पर शोर-शराबा अधिक होगा तो स्पीकर्स का वॉल्यूम तेज होगा और दोपहर या रात के समय स्टेशन पर अमूमन शोर गुल कम होता है, उस दौरान स्पीकर्स का वॉल्यूम कम हो जाएगा.

उपनगरीय रेल सेवा सुबह से देर रात तक चालू रहती है. इस दौरान लगातार तेज आवाज में अनाउंसमेंट किया जाता है. इससे यात्रियों को फायदा कम और ध्वनि प्रदूषण से सिरदर्द ज्यादा झेलना पड़ता है. स्टेशन परिसर में रहने वाले नागरिक लगातार होने वाली घोषणाओं से परेशान हो जाते हैं. इसी पृष्ठभूमि में पश्चिम रेलवे ने स्टेशनों पर सुविधाओं का विस्तार करते हुए उद्घोषणाओं से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को गंभीरता से लिया है. इसी के तहत वर्तमान में प्रायोगिक रूप से 'अमृत भारत' स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों पर यात्री घोषणा प्रणाली के लिए

पुराने हॉर्न और बॉक्स प्रकार के स्पीकर्स हटाकर वहां अत्याधुनिक 'आईपी स्पीकर्स' लगाए जा रहे हैं.

अभी सात स्टेशनों पर हर प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज और स्टेशन के प्रवेश-द्वार/निकास बिंदुओं पर हर १५ से २० मीटर की दूरी पर 'आईपी स्पीकर्स' लगाए गए हैं. सात स्टेशनों पर प्रयोग सफल होने के बाद निकट भविष्य में बाकी स्टेशनों पर भी 'आईपी स्पीकर्स' लगाए जाएंगे, ऐसी जानकारी पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने दी.

पहले चरण के स्टेशन नई प्रणाली के अंतर्गत पहले चरण में मरीन लाइन्स, चर्नी रोड, ग्रांट रोड, लोअर परेल, प्रभादेवी, जोगेश्वरी और मालाड स्टेशनों पर स्पीकर्स लगाए जाएंगे.

अनाउंसमेंट की नई प्रणाली की विशेषताएं नए स्पीकर्स की कनेक्टिविटी के लिए ईथरनेट आधारित आईपी नेटवर्क का उपयोग किया जा रहा है. नई प्रणाली में उद्घोषणाओं की आवाज की तीव्रता को समायोजित करने की सुविधा है. 'नॉइज सेंसिंग माइक्रोफोन' यह अनुमान लगाते हैं कि आस-पास का शोर कितना है और उसी के अनुसार, उद्घोषणाओं की आवाज को नियंत्रित किया जाता है. जब बाहरी वाहनों का शोर, सार्वजनिक आवाजें, हॉर्निंग, ट्रेन की आवाज आदि अधिक होती है तो यात्रियों को सूचना साफ सुनाई देने के लिए उद्घोषणाओं की आवाज अपने आप बढ़ जाती है.

अंतरिम सरकार से संतुलन की उम्मीद

करीब हफ्तेभर की उथलपुथल के बाद नेपाल का फिर से शांति की ओर बढ़ना अच्छी खबर है. नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की बेदाग छवि और संतुलित नजरिये के लिए जानी जाती हैं. उनके नेतृत्व में वहां जल्द चुनाव होने और हालात के सामान्य होने की उम्मीद है. बेदाग छवि . सुशीला कार्की नेपाल की मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं. उनके पास राजनीतिक अनुभव बेहद कम है. इसके बावजूद Gen-Z ने उनके नाम पर सहमति जताई, क्योंकि बाकी राजनेताओं से उसका भरोसा उठ चुका है. कार्की भ्रष्टाचार विरोधी सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं और नेपाल की नई पीढ़ी को उनसे आस है कि वह करप्शन को खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाएंगी. चुनाव का ऐलान . सुशीला कार्की के लिए इन अपेक्षाओं पर खरा उतरना आसान नहीं. उनके सामने ऐसा देश है, जिसकी व्यवस्था उखड़ चुकी है. उन्हें हालात को संभालने के साथ ही राजनीतिक स्थायित्व भी प्रदान करना है. अच्छी बात यह है कि अंतरिम सरकार के गठन के साथ ही अगले साल मार्च में चुनाव कराने का भी ऐलान कर दिया गया. नेपाल ने इस मामले में बांग्लादेश से सबक लिया. ढाका में भी जन. आंदोलन ने चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंका था. हालांकि एक साल से ज्यादा वक्त बाद भी तय नहीं हो सका है कि चुनाव कब होंगे. इससे वही अनिश्चितता और बेचैनी फिर पैदा हो रही है, जिससे उबरने के लिए जनता सड़कों पर उतरी थी. भारत के हक में स्थायित्व . नेपाल का जल्द से जल्द सामान्य होना भारत के लिए भी अच्छा होगा. दोनों देश आपस में इस कदर जुड़े हैं कि काठमांडू की कोई भी हलचल नई दिल्ली में महसूस हुए बिना नहीं रह सकती. फिर पड़ोस में स्थायित्व इसलिए भी जरूरी है, ताकि दूसरे तत्वों को फायदा उठाने का मौका न मिले. बांग्लादेश की अस्थिरता का उदाहरण सामने है, जहां पाकिस्तान अब भारत विरोधी नैरेटिव बनाने में लगा हुआ है. रिश्तों में बैलेंस . भारत-नेपाल की सीमाएं ही नहीं जुड़तीं, दोनों की संस्कृति, रहन-सहन, खानपान भी बहुत हद तक साझा है. लेकिन, केपीएस ओली के दौर में दूरी साफ महसूस की जा सकती थी. वह नेपाल को धीरे-धीरे चीन की तरफ शिफ्ट कर रहे थे. यहां तक कि लिपुलेख का मुद्दा भी उन्होंने चीन के सामने उठाया. इससे नेपाल में ही वह वर्ग बहुत नाराज था, जो पेइचिंग को संशय की नजरों से देखता है. सुशीला कार्की से द्विपक्षीय रिश्तों में ज्यादा बैलेंस की उम्मीद है. मणिपुर से पीएम नरेंद्र मोदी का नेपाल को संदेश देना इस रिश्ते की अहमियत बताता है.

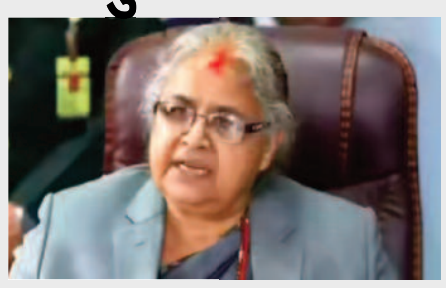

राशिफल

■ **मेष**: मेष राशि वालों का प्रेम जीवन अच्छा रहेगा. रिश्तों की खटास कम होगी. प्यार और भरोसा बढ़ेगा. करियर में प्रमोशन या अच्छे मौके मिल सकते हैं. पढ़ाई और बच्चों पर खर्च करना पड़ेगा. नई योजनाएं बनेंगी. निवेश करने के लिए दिन अच्छा . गाड़ी के रखरखाव पर भी पैसा जा सकता है. जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें.

■ **वृषभ**: वृषभ राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा. आत्मविश्वास से काम करें. अफसरों का सहयोग मिलेगा. घर में खुशियां रहेंगी. गुस्सा और ऑफिस पॉलिटिक्स से दूर रहें. नए लक्ष्यों के लिए मेहनत करें. अनावश्यक बहस से बचें. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा.

■ **मिथुन**: मिथुन राशि वालों को मिलेजुले फल मिलेंगे. व्यापार में फायदा होगा. आर्थिक स्थिति सुधरेगी लेकिन पैसों के फैसले सोच-समझकर लें. खर्च भी सोच-समझकर ही करें. बचत पर ध्यान दें. शादीशुदा जीवन की परेशानियां कम होंगी. जीवनसाथी के साथ समय व्यतीत करें.

■ **कर्क**: कर्क राशि के लोग आज सुखमय जीवन जिएंगे. प्रेम-संबंधों में मिठास आएगी. धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होगी. निवेश सावधानी से करें और बेकार के खर्चों से बचें. नौकरी-का-रोबार में माहौल अनुकूल रहेगा. करियर में प्रगति के योग हैं.

■ **सिंह**: सिह राशि वालो चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. जिम्मेदारियां ध्यान से निभाएं. आज मन में कोई अनजाना डर हो सकता है. पॉजिटिव सोच के साथ मेहनत करेंगे तो सफलता मिलेगी. व्यापार बढ़ाने के कई मौके मिलेंगे.

■ **कन्या**: कन्या राशि वालों को प्रोफेशनल लाइफ में तरक्की के कई मौके मिलेंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. घर में शुभ काम हो सकता है. बोलचाल में मधुरता आएगी. आज के दिन खर्च सोच-समझकर ही करें. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें.

■ **तुला**: सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. कई स्तोत्रों से धन आगमन होगा, लेकिन खर्च सोच-समझकर ही करें धन से जुड़े फैसले सावधानी से लें. पढ़ाई में अच्छे नतीजे मिलेंगे. जीवनसाथी से अनबन हो सकती है, बहस से बचें. परिजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

■ **वृश्चिक**: पुराने साथी या एक्स से मुलाकात हो सकती है. हर काम में सफलता मिलेगी. कारोबार में आंख मूंदकर किसी पर भी भरोसा न करें. दोस्तों की मदद से दिक्कतें दूर होंगी. धन-लाभ हो सकता है. प्रोफेशनल लाइफ में थोड़े उतार-चढ़ाव रहेंगे लेकिन दोपहर के बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी.

■ **धनु**: धनु राशि वालों के जीवन में प्यार और रोमांस बढ़ेगा. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा. कामकाज में प्रगति होगी. आय के नए साधन मिलेंगे. क्रोध पर कंट्रोल रखें, जल्दबाजी न करें. सोच-समझकर खर्च करें और निवेश पर ध्यान दें. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

■ **मकर**: मेहनत करने से सफलता मिलेगी. लिखने-पढ़ने के काम से आय में वृद्धि होगी. नौकरी बदलने के योग बन सकते हैं. किसी दोस्त के सहयोग से नए फायदे मिलेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. संतान से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी. धार्मिक कार्यों में मन लगेगा. माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें.

■ **कुंभ**: कुंभ राशि वालों के घर में खुशियां आएंगी. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. बाधाएं दूर होंगी. गुस्से और ऑफिस के विवादों से बचें. मेहनत से नई उपलब्धियां हासिल करेंगे. निवेश सोच-समझकर करें और जल्दबाजी में पैसा न खर्च करें.

■ **मीन**: मीन राशि वालों का दिन अच्छा रहेगा. मन खुश रहेगा. नए साधनों से धन लाभ होगा. धर्म-कर्म में व्यस्त रहेंगे. नई पहचान बनेगी. पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी. मां के सहयोग से फायदे के मौके मिलेंगे. आलस्य से बचें और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें.

फिल्म वर्ग पहेली - 447

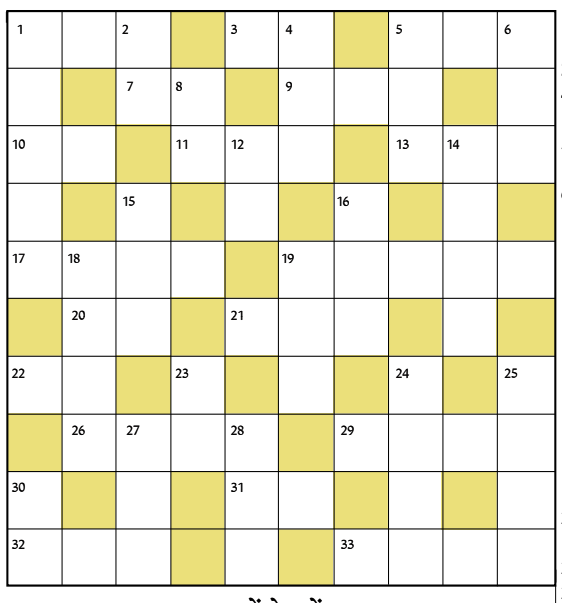

ऊपर से नीचे:-

1. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-2,3
2. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-2
4. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-3
5. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-3
6. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-3
12. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-2
14. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-2,2
15. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-3
16. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-3
18. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-2,2
19. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-2
24. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-4
25. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-4
27. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-3
28. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-3
30. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-2

बायें से दायें:-

1. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-3
3. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-2
5. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-2
9. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-3
10. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-2
11. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-3
13. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-3
17. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-2,2
19. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-5
20. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-2
21. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-3
22. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-2
26. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-4
29. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-4
31. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-2
32. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-3
33. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-4

फिल्म वर्ग पहेली - 446 का हल

फा		द	ह	क		रा	जू	चा	चा
गु	ला	म		री	ना		ही		ल
न		न	सी	ब		दा		जे	बा
	यॉ		मा		जु	ग	नू		ज
फ	की	रा		क	र्मा		त	ब्बू	
र्ज		ज	ख्मी		ना	दा	न		ती
	बा	पू		शू		दा		द	स
म		त	ह	ल	का		द		रा
क	र्ज		म		जो	शी	ला		कौ
ड़ी		मा	ला	मा	ल		ल	गा	न

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 447

	22	19	22		23	22	17	16	
14	7		5		7		9		26
16		8				7		6	22
18	5		9		2		5		22
25		5		8					
					6		9		27
18		2		4		5		5	12
20	6		4				8		21
24		6		6		8		3	18
	21	11	13	27		28	26	16	

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 446 का हल

	25	17	23		29	11	18	17	
14	7	2	5		5	4	9	2	20
20	7	5	8		7	5	3	8	23
12	2	7	3		4	2	6	7	19
26	9	3	7	2	5				
					7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7		3	6	4	13
18	5	2	5	6		3	4	7	14
30	8	8	8	6		4	6	8	18
	21	15	19	28		19	18	22	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 447

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए.दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कबूतर,कमजोर,कलयुग,कलंक,कलश, कलाई,करामात,करतूत,कर्म,कमर

शब्दजाल - 446 का हल

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	से
त्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	इ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	प्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रे	श	ज	श	व्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भाजपा में पुराने वफादार कार्यकर्ता दरकिनार

आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों को देखते हुए भाजपा ने पुराने, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर पार्टी में नए आनेवालों को मौका देने का संकेत दिया है. इससे पार्टी के अंदर गहरी नाराजगी और असंतोष की बात कही जा रही है. इसी पृष्ठभूमि में भाजपा के वरिष्ठ नेता व जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन ने एक चौंकानेवाला बयान देते हुए कहा कि कोई भी पार्टी में आए, उसका विरोध मत करो. ऐसा सख्त संदेश पार्टी पदाधिकारियों को दिया है. यह वक्तव्य उन्होंने जलगांव जिले के जामनेर में आयोजित कार्यकर्ता शिविर में दिया. महाजन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोई भी पार्टी से आए, चाहे जैसा भी हो अगर वह काम का आदमी है तो उसे पार्टी में लो. फोटोबाजी करने वालों की कोई कीमत नहीं. उनके इससss बयान के बाद भाजपा में चर्चा शुरू हो गई है कि अब पार्टी ने सत्ता के लिए जिसकी लाठी उसकी भैंस की नीति अपना ली है और वफादारी से ज्यादा उपयोगिता को महत्व दिया जाएगा.

उत्तर महाराष्ट्र में बदलेगा राजनीतिक समीकरण महाजन के इस बयान से यह संकेत मिला है कि आगामी चुनाव में भाजपा विरोधी पक्षों से नेताओं को सामूहिक रूप से शामिल कर सकती है. इससे उत्तर महाराष्ट्र में भाजपा के अंदर ही फूट पड़ने का खतरा है, क्योंकि कई पुराने कार्यकर्ता अब अन्य दलों की ओर रुख करने की तैयारी में हैं. भाजपा में इनकमिंग तेज, पुराने कार्यकर्ता हाशिए पर भाजपा में इस समय बड़े पैमाने पर इनकमिंग चालू है. विरोधी पक्षों से नेता, कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं. इससे पुराने जमीनी कार्यकर्ताओं को टिकट मिलना मुश्किल होता दिख रहा है. पार्टी के अंदरखाने यह चर्चा जोरों पर है कि आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों में निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी होगी.

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 16 सितंबर 2025

जबलपुर राष्ट्रबाण

• सोहगपुर • ब्योहारी • जयसिंहपुर • जैतपुर

मांगों को लेकर किसान उतरे सड़कों पर, भारतीय किसान संघ का प्रदेशव्यापी आंदोलन

ट्रैक्टर रैली के साथ पहुंचे किसान ;सरकार को दी चेतावनी

जबलपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों की समस्या और प्रदेश सरकार के लेंड को लेकर सोमवार को पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर किसान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंप रहे हैं। इसके लिए किसानों का ट्रैक्टर रैली से पहुंच रहे हैं। इधर, राजधानी में मुख्यमंत्री ने बिल पर सभी से संवाद की बात कही है। जबलपुर में किसान कृषि उपज मंडी से ट्रैक्टर रैली निकालकर घंटाघर पहुंचेंगे और अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। रैली को देखते हुए पुलिस ने घंटाघर क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। इसी तरह टीकमगढ़ में भी किसानों ने 1 बजे रैली निकालना शुरू कर दिया है।

यह रहेगा रैली का मार्ग : जिला मंत्री धनंजय पटेल ने बताया कि दोपहर 12 बजे किसान कृषि उपज मंडी में एकत्रित हुए हैं।। सभा के बाद ट्रैक्टर रैली मंडी से शुरू होकर दमोह नाका, रानीताल, यातायात चौक, तीन पत्ती चौक और नौदरा ब्रिज से होती हुई घंटाघर पहुंचेगी। यहां कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन समाप्त किया जाएगा।

किसानों की मुख्य मांगें

- लैंड पूलिंग एक्ट को तत्काल वापस लिया जाए।
- यूरिया और डीएपी सहित खाद की पर्याप्त व्यवस्था की जाए।
- खाद-बीज की कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगाई जाए।
- धान, गेहूं, मूंग और उड़द का रुका हुआ भुगतान किसानों को तुरंत दिया जाए।
- गेहूं 2700 रुपए और धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जाए।
- जिले में तीन साल से अधिक समय से पदस्थ कृषि विभाग के अधिकारियों का ट्रांसफर हो और भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा- सभी से संवाद कर हित की सोचें

लैंड पुलिंग एक्ट को लेकर किसान संघ के विरोध पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भास्कर ने राजधानी में हुए एक कार्यक्रम के दौरान पूछा कि किसान संघ इसका विरोध कर रहा है। क्या इस एक्ट में कुछ बदलाव हो रहे हैं। सीएम ने कहा कि हमारे द्वारा तो लैंड पूलिंग हो या सभी प्रकार के विकास के काम हो हमारा भाव है कि हम सबसे संवाद करते हुए सबके हित की बात सोच कर चलें विकास के क्रम को बनाकर रखें और विकास के रास्ते पर सभी को साथ लेकर चलेंगे। लगातार हमारे विकास के कामों का सबका समर्थन मिलता है, उसी भाव से हम चल रहे हैं।

जबलपुर में कम्प्यूटर बाबा ने मांगी भिक्षा

बोले- हजारों गाय के साथ जाएंगे भोपाल, मांग पूरी नहीं हुई तो राजधानी में छोड़ देंगे

जबलपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

जबलपुर में कम्प्यूटर बाबा ने अपने समर्थकों के साथ भिक्षा मांगी। वे सोमवार दोपहर ढोल-ढमाकों के साथ साधु-संतों को साथ लेकर सड़क पर उतरे और जनता से गौरक्षा यात्रा के लिए भीख देने की अपील करने लगे। उन्होंने दुकानों और चौराहों पर जा-जाकर प्रदेश में गौवंश की बदहाली का आरोप लगाया। कम्प्यूटर बाबा ने गौ संवर्धन के लिए अपनी यात्रा का ऐलान भी किया है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर से हजारों गायों को साथ लेकर गौरक्षा यात्रा निकालेंगे। यह पैदल यात्रा 14 अक्टूबर को राजधानी भोपाल पहुंचेगी। जहां राज्य सरकार से गौरक्षा के लिए प्रभावी योजनाएं शुरू करने की मांग करेंगे। अगर हमारी मांगें नहीं मानीं तो हजारों गायों को छोड़कर लौट आएंगे।

नर्मदापुरम से शुरू होगी, 8 दिन चलेगी

कम्प्यूटर बाबा ने कहा कि रोजाना सड़क हादसे हो रहे हैं। जिसमें की गौमाता मर रही हैं और आम जनता भी। इसलिए अब यह विचार किया है कि जल्द ही प्रदेश में गौमाता न्याय यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें सैकड़ों साधु-संतों के साथ आम जनता भी शामिल होगी। 7 अक्टूबर को नर्मदापुरम से शुरू होकर 14 अक्टूबर को भोपाल में समाप्त होने वाली यह यात्रा 8 दिनों तक चलेगी। इस यात्रा में हजारों गौमाता गले और सींग में ज्ञापन लेकर चलेगी। कोशिश होगी कि सीएम से मुलाकात हो, और अगर ऐसा नहीं होता है। या मुख्यमंत्री मोहन यादव हमसे मिलने को तैयार नहीं होते तो हैं हजारों गायों को राजधानी में ही छोड़ देंगे।

सनातन सनातन करते-करते 2 साल बीत गए

कम्प्यूटर बाबा ने कि इस यात्रा को सफल बनने और अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने के लिए महाकौशल की यात्रा में निकले हैं। सोमवार को हिंदू संत शहर के मालवीय चौक, बड़ा फुहारा, कोतवाली में भिक्षा पात्र के साथ नजर आए, इस दौरान उनके साथ साधु-संत भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि मोहन सरकार को सनातन, सनातन करते-करते दो साल बीत गए हैं। अभी तक कुछ नहीं हुआ है। सनातन की जननी गौमाता है, इसलिए इनकी रक्षा की लिए गौरक्षा यात्रा निकाली जा रही है।

कई बार सीएम से की मिलने की कोशिश

कम्प्यूटर बाबा ने कहा कि मैं सिर्फ भाजपा से नहीं बल्कि कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों से गौरक्षा की मांग कर रहा हूं। प्रदेश की सड़कों पर गौ-माता तड़प-तड़पकर मरने को मजबूर हैं। जबकि मोहन यादव इस पर जरा भी ध्यान नहीं है। उन्होंने बताया कि गौ-रक्षा के विषय में सीएम से कई बार मिलने की कोशिश की गई। उन्हें पत्राचार भी किया गया। लेकिन, एक बार भी उन्होंने हमारी मांग को नहीं सुना। ऐसी स्थिति में यह निर्णय लिया कि अब हम ही सड़क पर उतरे।

युवाओं में बढ़ रहा एडवेंचर एक्टिविटी का क्रेज

कुकड़ीखापा में एब्सेलिंग और ट्रेल हाइकिंग सीखने बड़ी संख्या में आ रहे युवा

छिंदवाड़ा| संवाददाता
rashtrabaan.in

कुकड़ीखापा वॉटरफाल में शुरू हुई एडवेंचर एक्टिविटी में शामिल होने के लिए युवाओं के बीच क्रेज बढ़ता जा रहा है। हर रविवार को कुकड़ीखापा में होने वाली एब्सेलिंग और ट्रेल हाइकिंग में छिंदवाड़ा सहित महाराष्ट्र के युवा भाग ले रहे हैं। इससे पर्यटन स्थल की ख्याति दूर-दूर तक हो रही है और रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं।

छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह व जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए बेहतर प्रयास हो रहे हैं। जिला प्रशासन,मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड, डीएटीसीसी के संयुक्त प्रयासों से बीते कुछ माह से प्रति सप्ताह नागपुर की संस्था असेंडिम वेंचर्स के साथ मिलकर कुकड़ीखापा के वॉटरफॉल क्षेत्र में एब्सेलिंग एवं ट्रेल हाइकिंग प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को साहसिक खेलों जैसे एब्सेलिंग (रस्सी से उतरना) और ट्रेल हाइकिंग का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है, साथ ही स्थानीय युवाओं को एडवेंचर टूरिज्म में रोजगार के अवसरों से जोडऩा भी इस पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हर सप्ताह छिंदवाड़ा व उमरानाला, कुकड़ीखापा के आसपास निवासरत व महाराष्ट्र के 50 से अधिक युवा इन साहसिक खेलों में शामिल हो रहे हैं। जिला प्रशासन की इस पहल से स्थानीय युवाओं को एडवेंचर सेक्टर में प्रशिक्षु बनने का अवसर मिल रहा है। सुबह सबसे पहले युवाओं को सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी जाती है और उसके बाद एब्सेलिंग सत्र शुरू होता है, जिसमें युवाओं ने पेशेवर मार्गदर्शकों के नेतृत्व में चट्टानों से रस्सी के सहारे उतरने का रोमांच अनुभव करवाया जाता है। इस रविवार को भी बड़ी संख्या में एडवेंचर एक्टिविटी में भाग लेने आए युवाओं ने बेहतरीन अनुभव किया।

जबलपुर में मनाया गया भारत की जीत का जश्न, मालवीय चौक पर देर रात फोड़े पटाखे

जबलपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

भारत और पाकिस्तान मैच में भारत की जीत पर जबलपुर में जमकर जश्न मनाया गया। देर रात शहर के मालवीय चौक पर पटाखे फोड़े गए और मिठाई बांटी गई। खेल प्रेमियों ने हिन्दुस्तान जिंदाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। सुधांशु गुप्ता ने कहा कि ये ऑपरेशन सिंदूर का पार्ट-2 है। इस जीत पर जश्न तो बनता है। इसलिए हम सभी दोस्त यहां इकट्ठा हुए जश्न मना रहे हैं। हम चाहते थे कि भारत पाकिस्तान को हराए, और हमारी टीम ने यह साबित कर दिया कि भारत हमेशा भारत रहेगा और पाकिस्तान हमेशा पाकिस्तान रहेगा। युवाओं ने कहा कि यह सिर्फ एक मैच की जीत नहीं है, बल्कि यह एक भावना है। आज का भारत किसी के घर में घुसकर मारना जानता है और उसने यह क्रिकेट के मैदान में भी दिखा दिया। जबलपुर के लोगों का यह उत्साह दिखाता है कि क्रिकेट उनके लिए सिर्फ एक खेल नहीं है, बल्कि देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। हर चौके और छक्के पर लोगों की खुशी और उत्साह देखते ही बनता था और मैच खत्म होने के बाद तो यह खुशी कई गुना बढ़ गई। देर रात तक मालवीय चौक पर जश्न का माहौल रहा और लोगों ने मिलकर इस यादगार जीत का आनंद लिया।

भोपाल में दिनभर धूप, शाम को तेज बारिश

एमपी में अगले दो दिन तेज बारिश का अलर्ट ; अगले हफ्ते से लौटने लगेगा मानसून

जबलपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

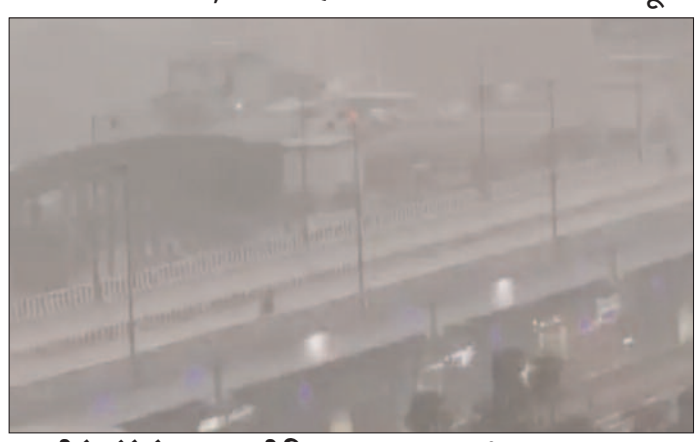

मध्यप्रदेश के कई जिलों में सोमवार को तेज बारिश का दौर रहा। भोपाल में दिनभर धूप खिली रही। शाम को तेज बारिश हुई। रायसेन, सतना, मंडला, पचमढ़ी, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, सिवनी में भी बारिश हुई। रायसेन में सबसे ज्यादा 2 इंच पानी गिर गया। वहीं, सतना में सवा इंच और मंडला-पचमढ़ी में आधा इंच बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी की वजह से मध्यप्रदेश में बारिश का दौर चल रहा है। अगले 2 दिन भी तेज बारिश हो सकती है। अगले हफ्ते से मध्यप्रदेश से मानसून की वापसी होने की संभावना है।

एमपी में कोटे से ज्यादा पानी गिरा

मध्यप्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 42 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 34.9 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.1 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। यह कोटा पिछले सप्ताह ही पूरा हो गया है।

ऊपर हाइवे-नीचे नहर : इंजीनियरिंग का नायाब नमूना है जबलपुर का बरगी बांध

जबलपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

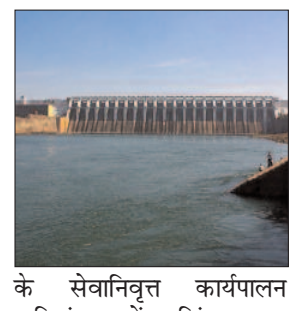

नर्मदा नदी पर बना सबसे पहला बांध, बरगी बांध है, जो अब 35 साल का हो चुका है। यह बांध इंजीनियरिंग का नायाब नमूना पेश करता है। न सिर्फ बांध बल्कि नहर बनाने में भी इंजीनियरों की तकनीक हैरान करने वाली है। नर्मदा नदी के ऊपर नहर जिस पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन दौड़ते हैं। बरगी बांध से नर्मदा नदी की रफ्तार पर नियंत्रण होता है। 1974 में बांध का निर्माण शुरू हुआ और 1990 में बांध भरकर चालू हुआ। यह पहला ऐसा बांध है जिसे बहुउद्देश्यीय उपयोग के लिए बनाया गया था। बांध से पीने का पानी, सिंचाई का पानी, विद्युत उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, उद्योग के लिए पानी, बाढ़ नियंत्रण में सबसे ज्यादा लाभ हुआ। इतना ही नहीं सिंचाई के लिए इससे निकली बरगी डायवर्सन दायीं तट कटनी की तरफ जाने वाली केनाल प्रोजेक्ट है, यह भारत का पहला प्रोजेक्ट है जो नर्मदा बेसिन को गंगा को जोड़ता है।

बंजर जमीन को बना दिया हराभरा

नहर के जरिए सोन और नर्मदा को दोबारा मिला रहे हैं। इससे गंगा का वो क्षेत्र जहां सूखा था सतना और मैहर वाले इलाकों को नर्मदा से हरा-भरा किया गया। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता सुरेंद्र सिंह पवार, नौकरी की शुरुआत से सेवानिवृत्त होने तक जबलपुर में पदस्थ रहे। वे वर्ष 2017 में सेवानिवृत्त हुए। सुरेंद्र सिंह ने बताया कि नर्मदा के पानी चरगवां, पाटन, नरसिंहपुर क्षेत्र में कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने में अहम साबित हुआ। बांध बनने से पहले तक जहां कोटो कुटकी जैसे अनाज की पैदावार होती थी। नहरों से पानी खेतों तक पहुंचा तो 12 मासी फसलें होने लगी। नरसिंहपुर, गाडरवारा क्षेत्र में तो गन्ना की फसल के लिए पहचान बन गई। उन्होंने बताया कि बांध का 14556 वर्ग किलोमीटर जल ग्रहण क्षेत्र है। 75 किलोमीटर लंबी झील और 4.5 किलोमीटर चौड़ी है। ये कंपोजिट बांध है इसका मुख्य हिस्सा कंक्रीट का बना है दोनों तरफ मिट्टी का बना है। 1974 में निर्माण शुरू हुआ। 1990 में डैम भरकर चालू हुआ। बांध की ऊंचाई 69.8 मीटर है लंबाई 5.357 किलोमीटर है। मैन्युअली डैम में पानी भराव के लिए है 422.76 मीटर पानी भरा जाता है।

अस्पताल के मानसिक रोग विभाग की घटना

पहले मां फिर बेटा... जबलपुर में चूहों ने मरीजों के कुतरे पैर

जबलपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

मरीजों की सुरक्षा को लेकर एक और बड़ी लापरवाही नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सामने आई है। अस्पताल के मानसिक रोग विभाग में भर्ती तीन मरीजों को चूहों ने बुरी तरह से काट लिया। यह घटना तब हुई जब पिछले एक महीने से विभाग में चूहों के आतंक की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने इसे रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। यह घटना इंदौर के एमवाय अस्पताल में चूहों के काटने से दो मासूमों की मौत के बाद जारी की गई चेतावनियों को नजरअंदाज करने का सीधा परिणाम है।

पहले मां फिर बेटे की पैर कुतरी

मिली जानकारी के मुताबिक, सिहोरा निवासी 25 वर्षीय रजनी बेन, श्रीधाम गोटेगांव के 50 वर्षीय सरोज मेहरा और उनके बेटे जगदीश मेहरा इस लापरवाही के शिकार बने। मरीजों के स्वजनों ने बताया कि विभाग में चूहों का इतना आतंक है कि वे रात के समय मरीजों को काट रहे हैं। जगदीश मेहरा ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया, ÷मैंने अपनी मां सरोज मेहरा को सोमवार को इलाज के लिए भर्ती कराया था। दो दिन बाद ही चूहों ने उनकी एड़ी काट ली। अगले दिन, चूहों ने मेरे पैरों को भी नहीं छोड़ा और एड़ी पर हमला कर दिया। रजनी यादव के परिजनों ने बताया कि चूहों ने उनके दोनों पैरों की एड़ियों को कुतर दिया है। तीनों मरीजों को मेडिकल कॉलेज में ही प्राथमिक उपचार दिया गया है, लेकिन इस घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

समस्या बताई फिर भी नहीं हुआ समाधान

यह घटना केवल एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि अस्पताल प्रशासन की घोर लापरवाही का नतीजा है। मरीजों के स्वजनों का कहना है कि उन्होंने कई बार विभाग प्रमुख और अन्य अधिकारियों को चूहों की समस्या से अवगत कराया था, लेकिन उनकी शिकायतों को लगातार अनदेखा किया गया। जगदीश मेहरा ने रोष व्यक्त करते हुए कहा, ÷हम इलाज के लिए अस्पताल आए थे, लेकिन यहां हमारी जान खतरे में पड़ गई है। जब हमने अधिकारियों से शिकायत की तो वे सिर्फ आश्वासन देते रहे। क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है?

चिकित्सा विभाग के निर्देशों की अनदेखी

यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है क्योंकि यह इंदौर के एमवाय अस्पताल में हुई दुखद घटना की याद दिलाती है, जहां चूहों के काटने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। उस घटना के बाद चिकित्सा विभाग ने सभी अस्पतालों को चूहों और अन्य कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद, जबलपुर के इस प्रतिष्ठित अस्पताल में इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया। यह दर्शाता है कि सरकारी अस्पतालों में मरीज की सुरक्षा को लेकर अभी भी गंभीरता की कमी है।

स्वजनों और स्थानीय लोगों में गहरा रोष

इस घटना के बाद मरीजों के स्वजनों और स्थानीय लोगों में गहरा रोष है। वे दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस मामले की तत्काल जांच होनी चाहिए कि आखिर किन कारणों से अस्पताल में चूहों को नियंत्रित करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई। यह घटना स्वास्थ्य सेवा में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनदेखी की एक और मिसाल है, जिसकी जांच होना बेहद आवश्यक है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 16 सितंबर 2025

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

बिना कमिशन के ठेकेदार वार्डों में पैर भी नहीं रख सकते

सारनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सारनी नगरपालिका क्षेत्र की गली गली में इन दिनों विकास हो रहा है विकास किसी मम्मी का बेटा नहीं है ऐ वही विकास है जो मोदी जी के समय से अब तक लगातार विकास हुआ था और कांग्रेसियों ने इसी विकास को पागल घोषित कर दिया था।

अब विकास तो हो रहा है पर यह विकास बडा कब होगा क्योंकि इसके तो पोषण आहार में खुद पार्षद ही कमीशन का ग्रहण लगा दे रहे हैं। बिना कमिशन के तो अब कुछ पार्षद ठेकेदारों को अपने वार्डों में कदम भी नहीं रखने दे रहे हैं पहले काम के प्रति कमिशन भी सारनी में शिष्टाचार ही था। पर धीरे धीरे कमीशन ने तो अडिबाजी का रूप ले लिया है। ठेकेदारो ने बताया कि 15 लाख के काम में एक पार्षद 1 लाख रुपए कमिशन मांग रहा है ठेकेदारों ने अपना दुखड़ा सुनाते हुए बताया कि अब कुछ पार्षद जनसेवक नहीं मात्र भक्षक बनकर बैठ गये है और कमिशन की चाह में खुद कहते हैं हमे काम से कोई मतलब नहीं तुम्हे जैसे निर्माण करना हो करो हमें तो सिर्फ कमिशन से मतलब है।

यही तो बिना मां बाप का विकास हैं जो सारनी नगरपालिका में पैदा हो रहा है यहां किसी को कोई फर्क नहीं पडता क्योंकि विकास किसी का सगा तो है नहीं ना बेवजह के कुछ ऐसे स्थानों पर रिटर्निंग वाल जिसकी वहा जरूरत ही नहीं है पेविगब्लाक जिसकी वहा जरूरत ही नहीं है नाली के ऊपर नाली बस विकास पैदा करना है क्योंकि यहा कोई पुछने वाला तो है ही नहीं कब पैदा हुआ कैसे पैदा हुआ किससे पैदा हूआ किसी को कोई मतलब ही नहीं है सुपरवाइजर को अपने टाइम पर कमिशन इंजिनियर को अपने टाइम पर कमिशन, अधिकारियों को अपने टाइम पर कमिशन पार्षदों को अपने टाइम पर कमिशन से मतलब है।

सारनी में बिना मां बाप के विकास पैदा हो गया

नगरपालिका में कमीशन के पैसों से कुछ पार्षदों के पेट फुलने लगें

जन चर्चा बना दरबार

जनता में दरबार लगा हैं जहां चर्चा ऐ है कि शोभापुर के एक पार्षद ने ठेकेदार को ऐसी खुजली लगाई की 18 लाख के काम में पार्षद को 1 लाख कमिशन देना पडा वो भी ऐसे ठेकेदार को जो अपने घर का कचरा भी किसी को ना दे ऐसे सेठों से कमिशन खाने का हुनर भी सारनी के पार्षदों में है चर्चाएं यहां ही नहीं रूकती चर्चाओं का बाजार तो सोशल मीडिया पर भी गर्म होने लगा है शहर के फेसबुक क्रिएटर शेख अयूब की वाल पर भी इस चर्चा का बखान होने लगा जिसमें लिखा है कि (सारनी न पा पार्षद में विद्रोह के स्वर। पार्षद कर सकते हैं तख्ता पलट।)

सुना है कि इन पार्षदों का एक मुखिया ने कमिशन खोरी का कोचिंग सेंटर खोल रखा है जहां तय हो जाता है कि किस वार्ड के किस काम से कितना कमिशन लेना है, किस ठेकेदार से किस पार्षद को पार्टनरशिप में काम लेना है, बात यही नहीं रूकती चुनिंदा पार्षद इस मुखिया के इसारो पर अड़ी बाजी डाल अध्यक्ष से काम और पैसों की माग करते हैं वर्ना विद्रोह तक की धमकी भी दे दिए हैं।

नहीं खुलती उपतहसील, 35 किमी दूर आमला तहसील जाने को मजबूर 23 पंचायतों के ग्रामीण

किसान संघर्ष समिति ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, उपतहसील बोरदेही नियमित खोलने की मांग

बैतूल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

उपतहसील बोरदेही नियमित रूप से न खुलने से उपतहसील क्षेत्र की 23 पंचायतों के ग्रामीणों को 35 किलोमीटर दूर आमला तहसील के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। किसानों और आम जनता की इस परेशानी को लेकर किसान संघर्ष समिति तहसील आमला ने कलेक्टर बैतूल को ज्ञापन सौंपा और उपतहसील को नियमित रूप से खोलने की मांग की। समिति के सदस्यों ने बताया कि पूर्व में उपतहसील सप्ताह में दो दिन खुलती थी, लेकिन वर्तमान में यह व्यवस्था भी बंद हो गई है। उपतहसील बोरदेही के अंतर्गत 23 हल्का पटवारी क्षेत्र और 23 पंचायतें आती हैं। आवागमन के साधन समय पर न मिलने से गरीब और बुजुर्ग किसानों को और अधिक कठिनाई होती है।

ज्ञापन सौंपने वालों में गुड्डू शिलूकर, मनोज दरसेमा, साजन शिलूकर, बुद्धू दरसेमा, सुकरलाल दरसेमा, दियान भोपाकार, कल्लू शिलूकर और परसराम दरसेमा शामिल रहे। समिति ने उम्मीद जताई कि प्रशासन शीघ्र हस्तक्षेप कर उपतहसील को नियमित खोलेगा ताकि किसानों और आम जनता को आमला तहसील के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह आज आएंगे

- भैंसदेही में लीडरशिप डेव्हलपमेंट कैंप में होंगे शामिल
- बैतूल में करेंगे सभी मोर्चा, संगठनों के पदाधिकारियों से चर्चा

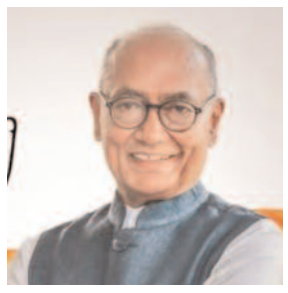

बैतूल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

राज्यसभा सांसद एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह आज मंगलवार 16 सितम्बर को बैतूल और भैंसदेही का दौरा करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष निलय डागा ने बताया कि दिग्विजय सिंह सुबह 8.30 बजे भोपाल से कार द्वारा रवाना होंगे। नर्मदापुरम मार्ग से दोपहर 12.30 बजे भैंसदेही पहुंचेंगे। यहां वे मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित लीडरशिप डेव्हलपमेंट प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे। शिविर का आयोजन भैंसदेही ब्लॉक मुख्यालय में किया गया है।

निलय डागा ने बताया कि दोपहर 2 बजे दिग्विजय सिंह भैंसदेही में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रानू ठाकुर (पंकज सिंह) के निवास पर पहुंचकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। भैंसदेही प्रवास के बाद 2.30 बजे वे बैतूल के लिए प्रस्थान करेंगे। 3.30 बजे बैतूल पहुंचेंगे, जहां कोठी बाजार स्थित डागा हाउस में कांग्रेस के सभी मोर्चा संगठन के पदाधिकारियों से विस्तृत चर्चा करेंगे। निलय डागा ने बताया कि शाम 4.30 बजे दिग्विजय सिंह बैतूल से कार द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे और नर्मदापुरम मार्ग से लगभग शाम 7.30 बजे भोपाल पहुंचेंगे। इसके बाद रात 10.15 बजे वे भोपाल से आगे के कार्यक्रम के लिए रवाना होंगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में दिग्विजय सिंह के इस प्रवास को लेकर जबरदस्त उत्साह है।

समय सीमा की बैठक आयोजित

बैतूल। सशक्त नारी, सशक्त परिवार और स्वरोजगार शिविरों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने बैठक में सशक्त नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय मामले श्री दुर्गादास उईके के मुख्य आतिथ्य में 17 सितंबर को जे एच कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी लीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज हुरमाड़े ने बैठक में सशक्त नारी, सशक्त परिवार अभियान कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी।

ग्राम पंचायत सुरगांव में शासन की राशि का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

जनसुनवाई में पहुंचा सुरगांव का मामला, कार्रवाई न होने से ग्रामीण आक्रोशित

बैतूल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

ग्राम पंचायत सुरगांव में शासन की राशि का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों ने इस मामले में जनसुनवाई और जनपद पंचायत सीईओ से शिकायत की है। शिकायतकर्ता ग्रामीण राजू चरपे ने बताया कि ग्राम में शासन की योजना के तहत पच्चीस लाख रुपये की लागत से मंगल भवन का निर्माण स्वीकृत किया गया था, लेकिन अब तक केवल घटिया निर्माण कार्य कराकर लगभग बारह लाख रुपये निकाल लिए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल पर घटिया मटेरियल का उपयोग हो रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत सचिव और सरपंच की मिलीभगत से कई फर्जी बिल पास कर लाखों रुपये का गबन किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव कई-कई दिन पंचायत में उपस्थित नहीं रहते, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। मजदूरों को मजदूरी नहीं दी जा रही और बाहर के मजदूर लाकर काम कराया जा रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि ग्राम में दुकान निर्माण का कार्य भी नियम विरुद्ध किया जा रहा है। नियम के अनुसार पहले बिजली के पोल हटाए जाने थे, लेकिन सचिव और इंजीनियर की मिलीभगत से बिना बिजली पोल हटाए निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इस कार्य को लेकर जनपद के इंजीनियर से शिकायत करने पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2018 में भी अठारह लाख रुपये की राशि का गबन हुआ था, लेकिन उस समय भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण सचिव और सरपंच के हौसले बुलंद हो गए हैं और खुलेआम पंचायत की राशि का गबन कर रहे हैं।

ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की तत्काल जांच कराई जाए और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ मिल सके और पंचायत में पारदर्शिता बनी रहे।

विद्युत कटौती शेड्यूल

बैतूल। बिजली कंपनी द्वारा 16 सितंबर को 33/11 केव्ही उपकेंद्र बडोरा का मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। मेंटेनेंस कार्य के चलते 33/11 केव्ही उपकेंद्र बडोरा में प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बडोरा, द्वारका नगर, बटामा एवं सिगनवाडी क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड विके बैतूल ग्रामीण प्रबंधन ने बताया कि किन्ही अपरिहार्य कारणों से समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

कारगिल चौक से बच्चा जेल चौक तक 7.89 करोड़ की लागत से बनेगी 10 मीटर चौड़ी सड़क, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बैतूल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

कारगिल चौक से बच्चा जेल चौक तक 7.89 करोड़ की लागत से शीघ्र ही 10 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाएगा। सोमवार को राजस्व और नगर पालिका अमले ने सड़क निर्माण हेतु मार्किंग कार्य किया। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीएनसीपी अनुसार स्वीकृत सड़क की ही मार्किंग की जाए। साथ ही कहा कि जिन मकानों व प्रतिष्ठानों का निर्माण अतिक्रमण की श्रेणी में आता है, उन्हें नोटिस देकर हटाने की कार्यवाही की जाए।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सतीश मत्सेनिया ने बताया कि कारगिल चौक से बच्चा जेल चौक तक 10 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण प्रस्तावित है। मार्किंग कार्य पूर्ण होने के बाद शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं : संभागायुक्त

स्पॉट वेरिफिकेशन और जिओ टैगिंग में देरी न हो

बैतूल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के साथ जनपद कार्यालय मुलताई का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्राप्त लक्ष्य की तुलना में प्रगति की जानकारी ली। जिसमें जनपद सीईओ ने बताया इस वर्ष 1844 आवास के प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध 652 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। 1142 आवास प्रगतिरत है, जिस पर संभागायुक्त श्री तिवारी ने पोर्टल खुलवाकर प्रधानमंत्री आवास के स्टेटस की जानकारी लीं।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने आवास निर्माण के लिए हितग्राहियों को स्वीकृत किश्तों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रथम किश्त मिलने के उपरान्त द्वितीय किश्त में देरी। इसी प्रकार तृतीय और चतुर्थ किश्त मिलने में भी लंबा अंतराल न हो। स्पॉट वेरिफिकेशन और जिओ टैगिंग समय पर पूर्ण की जाएं। ताकि हितग्राहियों को किश्त मिलने में देरी न हो और आवास समय पर पूर्ण हो सकें। उन्होंने कहा कि विशेष ध्यान रखें कि प्रथम किश्त मिलने के बाद हितग्राही द्वारा मौके पर आवास निर्माण कराया गया हो। निर्माण नहीं कराने वाले संबंधित हितग्राहियों से राशि भी वसूल की जाए। जनपद सीईओ और ब्लॉक कॉर्डिनेटर दिन निर्धारित कर फील्ड विजिट कर प्रगतिरत आवास कार्यों का निरीक्षण करें। साथ ही प्रगतिरत कार्यों की ग्राम पंचायत वार सतत मॉनिटरिंग भी की जाएं।

प्रगतिरत विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं

संभागायुक्त श्री तिवारी ने जनपद कार्यालय में पंचायत मद, सांसद निधि, मुख्यमंत्री अधोसंरचना के कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि इन मदो में प्रगतिरत कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराएं। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योजना में कोई भी आवेदन भुगतान के कारण लंबित न रहें। उन्होंने राष्ट्रीय परिवार सहायता, दिव्यांग विवाह योजना, पेंशन इत्यादि के प्रकरणों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि परिवार सहायता के तहत मृतक के परिजनों को मिलने वाली 20 हजार की राशि मिलने में देरी न हो।

पेंशन रिवीजन समेत 6 मांगों को लेकर प्रदर्शन

बैतूल के कोल पेंशनर्स कोलकाता में दे रहे धरना

बैतूल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

कोल माइन्स सेवा निवृत्त कर्मचारी संघ (एचएमएस) की मासिक बैठक 15 सितंबर को कार्यवाहक अध्यक्ष मानिकराव कापसे की अध्यक्षता में शहीद भवन में संपन्न हुई। बैठक में जिला महामंत्री डीआर झरबडे ने जानकारी देते हुए बताया कि आज ही 15 सितंबर को कोलकाता में 6 सूत्रीय मांगों को लेकर जिले के कोल पेंशनरों द्वारा धरना दिया जा रहा है। इस धरना प्रदर्शन में बैतूल से जिला अध्यक्ष दिनकर साहू के नेतृत्व में 25 से 30 सदस्य शामिल हुए हैं।

जिला महामंत्री डीआर झरबडे ने बताया कि यह धरना प्रदर्शन ऑल इंडिया कोल पेंशनर एसोसिएशन के संयोजक पी के सिंह राठौर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कोल पेंशनर्स की मुख्य मांगों में पेंशन रिवीजन, महंगाई भत्ता, डेमोसेट्रिक भत्ता, मेडिकल भत्ता आदि शामिल हैं।

उपाध्यक्ष शिवदयाल चौकीकर ने कहा कि यदि इस बार भी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो बैतूल से 50 से 60 सदस्यों का बड़ा जत्था दिल्ली पहुंचकर जंतर-मंतर पर धरना देगा। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पेंशन रिवीजन, जीवित प्रमाण पत्र, पीपीओ सहायता वर्ष 2026 आदि प्रमुख मुद्दे शामिल रहे। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने दिल्ली धरने के समर्थन में अपनी सहमति दी।

बैठक में मानिकराव कापसे कार्यवाहक अध्यक्ष, डीआर झरबडे महामंत्री, शिवदयाल चौकीकर उपाध्यक्ष, शिवकुमार धाड़से, दौलतराव भलावी, रामभरोस पूर्वे, चतुरसिंग पाल, नारायण सातनकर, बुधराम वाईकर, रायमल वरवडे, कुन्दनलाल चौधरी, तुलसीराम मसतकर, पुरनलाल मालवी, बाबूराव लिखितकर, अजाबराव भूमरकर, मानक प्रसाद वाईकर, सरजेराव पाटिल, कृष्णाराव उबनारे सहित अन्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रकाश बने मध्यप्रदेश मेहरा डेहरिया समाज बैतूल के जिला उपाध्यक्ष

बैतूल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

मेहरा डेहरिया समाज समिति के प्रदेश अध्यक्ष बृजेश भट्ट की अनुशंसा एवं प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष अशोक नागले तथा प्रदेश उपाध्यक्ष किशोर बरदे की सहमति से, जिला अध्यक्ष संतु सूर्यवंशी द्वारा घोड़ाडोंगरी ब्लॉक सारणी निवासी, समाज के सक्रिय एवं ऊर्जावान कार्यकर्ता प्रकाश डहेरिया को जिला बैतूल का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही, संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन्हें घोड़ाडोंगरी ब्लॉक प्रभारी का दायित्व भी सौंपा गया है।

नव-नियुक्त जिला उपाध्यक्ष प्रकाश डहेरिया को उनके इस उत्तरदायित्वपूर्ण दायित्व पर जिलेभर के समाजजनों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। साथ ही, इस महत्वपूर्ण निर्णय हेतु प्रदेश अध्यक्ष, कार्यवाहक अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष तथा जिला अध्यक्ष के प्रति आभार प्रकट किया गया। बधाई देने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार नागले मुकेश उपराले शिक्षा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष चंद्र किशोर बेले। जितेंद्र बेले शक्ति बेले ज्योति नागले हेमराज नागले शक्ति बेले राकेश डहेरिया।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 16 सितंबर 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

कटंगी में बिसेन दंपत्ति की निर्मम हत्याः सवालों के घेरे में पुलिस जांच, कैसे हुई घर में एंट्री?

बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव में प्रतिष्ठित बिसेन परिवार से ताल्लुक रखने वाले हेमेन्द्र बिसेन और उनकी पत्नी योगिता बिसेन की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। संयुक्त परिवार में रह रहे दंपत्ति की हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस जांच में जुटी है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आरोपियों ने घर में प्रवेश कैसे किया और हत्या के पीछे वजह क्या रही?

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र से रविवार सुबह दिल दहला देने वाली डबल मर्डर की वारदात सामने आई है। ग्राम मोहगांव में रहने वाले प्रतिष्ठित बिसेन परिवार के सदस्य हेमेन्द्र बिसेन (47) और उनकी पत्नी योगिता बिसेन (47) का शव उनके ही बेडरूम में लहूलुहान हालत में बरामद हुआ। प्रथम दृष्टया दोनों की धारदार हथियार से निर्मम हत्या की गई है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और गांववाले स्तब्ध हैं। शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात अज्ञात हत्यारों ने इस वारदात को अंजाम दिया। घटना की जानकारी रविवार सुबह करीब

साढ़े आठ बजे तब सामने आई, जब हेमेन्द्र के बड़े भाई करण बिसेन की पत्नी उन्हें और उनकी पत्नी को जगाने गई। दरवाजा खोलने पर योगिता बिसेन बिस्तर पर और हेमेन्द्र बिसेन जमीन पर खून से लथपथ मृत अवस्था में मिले। उन्होंने तुरंत परिवार को सूचना दी और फिर पुलिस को बुलाया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा, एसडीओपी विवेक शर्मा और थाना प्रभारी धमेन्द्र कुशराम मौके पर पहुंचे। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने बताया कि हत्या में एक से अधिक आरोपी शामिल हो सकते हैं। हालांकि हत्या के पीछे की वजह को लेकर अभी कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला है।

प्रारंभिक चर्चाओं में लूट की आशंका जताई गई, लेकिन घर के किसी भी हिस्से में दरवाजों को तोड़े जाने के निशान नहीं मिले। यही कारण है कि यह सवाल और गहरा हो गया है कि आखिर हत्यारे घर में दाखिल कैसे हुए? संयुक्त परिवार में बने बड़े मकान में सभी सदस्य एक साथ रहते हैं और घटना की रात भी सभी भाई-भाभियां साथ में भोजन कर रात करीब 12 बजे तक टीवी देखने के बाद अपने-अपने कमरों में सो गए थे। हेमेन्द्र का बेटा, जो कक्षा नवमीं में पढ़ाई करता है, वह भी अलग कमरे में सो रहा था।

पड़ताल से पता चला कि रविवार सुबह जब हेमेन्द्र और उनकी पत्नी नहीं उठे तो पहले इसे सामान्य समझा गया, लेकिन जब देर तक प्रतिक्रिया नहीं मिली तो दरवाजा खोला गया और हत्या का राज सामने आया। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने हेमेन्द्र के सिर पर धारदार हथियार से हमला किया जबकि उनकी पत्नी योगिता पर भी बेरहमी से वार किया गया।

गांव और आसपास के लोग इस वारदात से स्तब्ध हैं। बिसेन परिवार इलाके में बेहद प्रतिष्ठित माना जाता है और परिवार के सभी सदस्य मिलनसार और सौम्य स्वभाव के हैं। परिवार के प्रति किसी तरह की रंजिश या दुश्मनी की जानकारी सामने नहीं आई है। यही वजह है कि हत्या की गुत्थी और उलझती जा रही है। घटना की जानकारी लगते ही पूर्व सांसद बोधसिंह भगत और विश्वेश्वर भगत सहित कई राजनीतिक नेता मौके पर पहुंचे। विधायक गौरव सिंह पारधी ने भी दुख जताते हुए कहा कि पुलिस को मामले में गंभीरता से जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करना चाहिए। रविवार शाम को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। हालांकि सरकारी अस्पताल में महिला चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने के कारण करीब दो घंटे तक शव वाहन में ही रखे रहे। बाद में बालाघाट से चिकित्सक आने पर पीएम की प्रक्रिया पूरी की जा सकी। दोनों का अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। कटंगी थाना पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जब तक सभी साक्ष्य सामने नहीं आते, तब तक लूट या किसी अन्य कारण पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि हत्यारों ने संयुक्त परिवार वाले इस मकान में आखिर प्रवेश कैसे किया और हत्या की असल वजह क्या थी।

सरपंच तेरी तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगीः संजीव अवधिया

सामुदायिक जवाहर भवन, पशु चिकित्सालय व पानी टंकी सहित अन्य रिक्त भूमि को सीएम राइज स्कूल के लिए संरक्षित रखने हेतु भाजपा मंडल लालबर्रा ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सीएम राइज स्कूल बनने के लिए भाजपा-कांग्रेस एकमत

छात्र-छात्राओं के हित में सीएम राइज स्कूल बनना चाहिए : विधायक प्रतिनिधि सुमित स्वामी

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा अथवा प्रस्तावित सीएम राइज स्कूल लालबर्रा से लगी शासकीय भूमि सामुदायिक जवाहर भवन को विगत वर्ष पूर्व ही तोड़फोड़ कर दिया गया है, तो वहीं नल जल योजना की पानी टंकी को अभी वर्तमान में चार-छः दिन पूर्व ही तोड़फोड़ कर शासकीय भूमि को रिक्त कराया गया है। उक्त रिक्त भूमि को सीएम राइज स्कूल परिसर में शामिल करने हेतु भाजपा मंडल लालबर्रा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने 13 सितंबर शनिवार को दोपहर कलेक्टर साहब के नाम नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उल्लेख किया है कि शासकीय सीएम राइज स्कूल लालबर्रा नगर मुख्यालय के बीचों बीच अस्पताल, जनपद, तहसील, कॉलेज व लोकसेवा केंद्र रोड़ पर विगत कई वर्षों से संचालित हो रहा है। विगत वर्ष से सीएम राइज स्कूल लालबर्रा मुख्यालय में स्वीकृत है। जीर्ण शीर्ण सामुदायिक जवाहर भवन को विगत वर्ष तोड़फोड़ कर दिया गया है एवं नल जल योजना की जीर्ण शीर्ण पानी टंकी को भी वर्तमान में चार-छः दिन पूर्व तोड़फोड़ कर दिया गया है। जिससे कि उक्त भूमि रिक्त हो गई है, क्योंकि यह रिक्त भूमि उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा (प्रस्तावित सीएम राइज स्कूल) के परिसर से लगी हुई है। वर्तमान में विद्यालय परिसर में 3 एकड़ 82 डिसमिल भूमि उपलब्ध है, सीएम राइज स्कूल के लिए लगभग 4 एकड़ 80 डिसमिल भूमि की आवश्यकता है। स्कूल के आसपास शासकीय भूमि अन्य विभाग की है, इस शासकीय भूमि को संरक्षित कर सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण में जोड़ा जाए, क्योंकि विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है, भविष्य में संख्या बढ़ने की संभावना है। क्योंकि विद्यालय परिसर से लगी हुई भूमि पर ग्राम पंचायत पांढ़रवानी (लालबर्रा) सरपंच

इनका कहना है

सीएम राइज स्कूल इसी स्थान पर निर्माण करने के लिए तहसीलदार साहब को ज्ञापन सौंपा गया है। सीएम राइज स्कूल लालबर्रा में बनना तय है, जिसकी सरकार ने घोषणा कर चुकी है जो यहां पर प्रस्तावित है। सीएम राइज स्कूल के लिए लगभग साढ़े 4 से पौने 5 एकड़ भूमि की आवश्यकता होती है। शिक्षा विभाग के पास 3 एकड़ 82 डिसमिल जमीन है। इसके लिए आसपास की अन्य शासकीय भूमि का अधिग्रहण करना पड़ेगा। सामुदायिक जवाहर भवन, पानी टंकी, पशु चिकित्सालय ऐसी शासकीय जमीन को संरक्षित करना पड़ेगा। हजारों बच्चे यहां पर अध्यनरत हैं, सभी लोगों का मानना है कि नगर के बीचो-बीच नगर मुख्यालय में ही सीएम राइज स्कूल का निर्माण हो। पांढ़रवानी सरपंच इस भूमि पर कांप्लेक्स निर्माण करना चाहता है जो उतना आवश्यक नहीं है जितना कि सीएम राइज स्कूल आवश्यक है। प्रशासन कलेक्टर साहब भूमि का निरीक्षण करें और आसपास की शासकीय भूमि को रिजर्व किया जाए, ताकि सीएम राइज स्कूल भवन का निर्माण हो सके।

भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष संजीव अवधिया

कांप्लेक्स निर्माण करना चाहता है, अग्रिम निर्माणाधीन भूमि पर तत्काल रोक लगाकर उक्त भूमि को सीएम राइज स्कूल के लिए संरक्षित (रिजर्व) किया जाए। उक्त ज्ञापन के साथ भाजपा मंडल ने सीएम राइज स्कूल प्रस्तावित परिसर व आसपास शासकीय भूमि का ड्राइंग नक्शा भी बनाकर तहसीलदार को सौंपा है, जिसमें प्रस्तावित सीएम राइज स्कूल के आसपास की रिक्त शासकीय भूमि का उल्लेख है एवं उक्त शासकीय भूमि का खसरा नंबर भी संलग्न किया गया है, जिस खसरा नंबर पर सरकार घास बाजार चौक शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला लालबर्रा एवं खेलकूद का मैदान दर्ज है। उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में ही सीएम राइज स्कूल बनाने के लिए सरपंच को छोड़कर लालबर्रा नगर के भाजपा और कांग्रेस के कुछ नेता एकमत हैं और सरपंच के शुभचिंतक व हितैषी कहे जाने वाले भी कुछ कांग्रेसियों का एकमत है कि इसी स्थान पर सीएम राइज स्कूल बच्चों के भविष्य को देखते हुए बनाया जाना चाहिए। लेकिन तानाशाह सरपंच अपनी मोनोपल्ली चलाते हुए शॉपिंग कांप्लेक्स निर्माण करना चाहते हैं, जो भाजपा के नेता कार्यकर्ता को तो गलत लग ही रहा है लेकिन कुछ कांग्रेसियों को भी ग़लत लग रहा, कोई खुली जुबान से तो कोई दबी जुबान से चर्चा कर रहा है कि सीएम राइज स्कूल ही बनना चाहिए। ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से - लालबर्रा भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, पांढ़रवानी पूर्व सरपंच श्रीमती सरिता गणेश मात्रे, पांढ़रवानी उपसरपंच राकेश अग्रवाल,भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष संजीव अवधिया, अनिता अग्रवाल, राहुल शुक्ला, ठानेन्द्र ठाकरे, अमोली पूर्व उपसरपंच राकेश अवधिया, बघोली पूर्व सरपंच प्रतिनिधि अनिल बिसेन, मुन्नाजी, पंच मिथुन बोरकर, राजू ऐड़े, रामकिशोर बंशपाल, देवेश बिसेन, सुरेश राजुरकर, पैकराम साहू, गुलशन नागेश्वर, किरण बिसेन व अन्य उपस्थित रहे।

इनका कहना है

तहसीलदार साहब को विज्ञापन सौंपा है, यह राजस्व की भूमि है। सीएम राइज के लिए जितनी भूमि की आवश्यकता है पूर्ति हो जाएगी। सीएम राइज लालबर्रा नगर व पास पड़ोस के ग्राम वासियों के बच्चे यहां पढ़ते हैं। सीएम राइज लालबर्रा नगर के बीचो-बीच में ही बनें। कलेक्टर साहब एसडीएम साहब तहसीलदार जनपद सीईओ इस भूमि का निरीक्षण करें। कलेक्टर साहब तहसीलदार साहब सरकार को पत्र लिखकर उक्त भूमि को सीएम राइज स्कूल के लिए शिक्षा विभाग को हस्तांतरित कर सकते हैं।

पांढ़रवानी पूर्व सरपंच सरिता गणेश मात्रे

सीएम राइज स्कूल लालबर्रा में विगत वर्ष से प्रस्तावित है, प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव जी ने सीएम राइज स्कूल के लिए लालबर्रा में स्वीकृत दिया है। लगभग साढ़े 4 एकड़ भूमि की आवश्यकता पड़ती है। अभी वर्तमान में 3 एकड़ 82 डिसमिल भूमि उपलब्ध है। पाढ़रवानी सरपंच पंचायत क्षेत्र वासियों से अलग ही व्यवहार प्रस्तुत करते हैं। कलेक्टर साहब स्वयं या एसडीएम साहब को अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर इस भूमि का निरीक्षण करें। सीएम राइज स्कूल के लिए आसपास की शासकीय भूमि को संरक्षित किया जाए। उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में अथवा लगे हुए परिसर में ही सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण प्रस्तावित है।

लालबर्रा भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया

इस स्थान पर किसी के कहने पर नहीं, सरकार के नियम के तहत सीएम राइज स्कूल बनना चाहिए और इसमें सीएम राइज स्कूल में बच्चों को जो सुविधाएं मिलती है वह मिलनी चाहिए। उसमें खेलकूद का ग्राउंड, पार्किंग के लिए स्थान, आजू-बाजू की शासकीय भूमि अलग-अलग मद की है, लालबर्रा नगर के विकास में एवं छात्र-छात्राओं के हित में, राजनीति से परे हटकर सबके विचार विमर्श सहमति से जनहित, छात्र-छात्राओं के हित में, नगर के विकास में सीएम राइज स्कूल बनाना चाहिए। इसके पूर्व विगत वर्ष हाई स्कूल रोड़ पर दर्जनों दुकानदारों को बिना नोटिस दिए बिना आश्वासन दिए तत्कालीन विधायक द्वारा विकास के नाम पर दुकान तुड़वा दी गई है।

कांग्रेसी विधायक प्रतिनिधि उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा सुमित स्वामी।

बिजली आपूर्ति ठप्प होने के नाम पर फिर किया विशालकाय पेड़ का कत्लेआम

पहले भी लाइन विस्तारीकरण के नाम पर बिजली ठेकेदार काट चुके हैं अनेकों पेड़

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

लालबर्रा से वारासिवनी मुख्य मार्ग पर पड़ने वाले ग्राम खमरिया में शनिवार को विद्युत मंडल लालबर्रा द्वारा विद्युत सप्लाई में बाधा उत्पन्न होने के नाम पर एक विशालकाय पेड़ को कटवा दिया गया है। जबकि इस पेड़ की शाखाओं को काटकर भी विद्युत सप्लाई में आने वाली बाधा से निपटा जा सकता था लेकिन विभाग के अधिकारियों ने इसे उचित ना समझते हुए बरसों पुराने पेड़ को जड़ से ही काट डाला जिससे मुख्य मार्ग भी अवरुद्ध हो गया था जिसे बाद में बहाल किया गया। हालांकि इस दौरान राहगीरों को काफी तकलीफों का सामना करना पड़ा। वहीं इस संबंध में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के जे ई से मोबाइल पर बात करनी चाही गई तो उन्होंने फोन रिसीव करना उचित नहीं समझा क्योंकि इसके पूर्व भी लालबर्रा से खमरिया तक लाइन विस्तारीकरण के लिए बगैर राजस्व विभाग या एमपीआरडीसी से अनुमति लिए बगैर दो दर्जन से अधिक बड़े-बड़े वृक्षों का इनके ठेकेदार द्वारा कत्लेआम कर दिया गया था। जिस मामले में लगातार शिकायत होने के बाद भी ठेकेदार और विभागीय अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई जिसके चलते स्थानीय अधिकारियों के हौसले बुलंद है उन्हें थोड़ा भी मौका मिले तो वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में कभी भी संकोच नहीं करते हैं।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अन्तर्गत 17 सितंबर को आयोजित होने वाले मेगा हेल्थ कैंप को लेकर हुई प्रेस वार्ता

छिंदवाड़ा। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक ÷स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को जिले के पोला ग्राउण्ड में प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह की विशेष उपस्थिति में मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया है। इसी संबंध में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे, सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार, एडीएम धीरेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेश गोन्नाडे सहित मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बहुउद्देशीय प्रा.कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, कटंगी जिला बालाघाट
पंजी. क्र./डी.आर./बी.जी.टी.05 -1960

// वार्षिक आमसभा की सूचना //

कटंगी। विपणन सहकारी संस्था मर्यादित कटंगी पंजी. क्र.05 की वार्षिक साधारण आम सभा दिनांक 20. 09. 2025 दिन शनिवार को दोपहर 2:00 बजे संस्था कार्यालय भवन कटंगी में आयोजित की गई है जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

निश्चित समय पर साधारण आम सभा में गणपूर्ति (कोरम)पूरा नहीं होने की स्थिति में आम सभा की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित की जाकर म . प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम - 1962 के नियम 37/3 के प्रावधान के अनुसार आधा घंटे पश्चात उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण आमसभा की कार्यवाही प्रारंभ की जावेगी जिसमें गणपूर्ति (कोरम) की आवश्यकता नहीं होगी।

अतः आपसे निवेदन है कि निश्चित स्थान एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करेंगे।

वार्षिक साधारण आम सभा की विषय सूची:
1. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष के लिए तैय्यार किया गया हो अनुमोदन बाबद।
2. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है।
3. संपरीक्षा रिपोर्ट, यदि प्राप्त हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद।
4. शुद्ध लाभ के व्ययन के लिये।
5. किसी अन्य विषय पर जो कि उपविधियों के अनुसार लाया जावे , विचार करने बाबद।
6. आगामी सहकारी वर्ष के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद।
7. वित्तिय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुये हानि के कारणों का परीक्षण करना बाबद।
8. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद।
9. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय एवं आमसभा के सदस्यों की सहमति से रखे जावेंगे।

यशवंतराव टेंभरे
प्रशासक

सुरेश ठाकरे
प्रबंधक

सह. विप. संस्था मर्या. कटंगी, जिला बालाघाट

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 15 सितंबर 2025

सिवनी राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण

जागेश्वरनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल में गर्भवती महिला और शिशु की मौत का मामला गरमाया

डॉक्टर भगवान या यमराज ?

डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, भाजपा नेताओं के दबाव में पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

अभिलाषा साहू (जीवित अवस्था का चित्र) : डॉक्टर बन गए मासूम के लिए यमराज।

जागेश्वरनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल : यहां होती है जिंदगी की सौदागरी।

कहते हैं डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं, लेकिन सिवनी के जागेश्वरनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल की लापरवाही ने मरीज और परिवार को मौत के मुंह में धकेल दिया। कुकलाह निवासी सोनू साहू की गर्भवती पत्नी अभिलाषा की मौत ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। परिजनों ने डॉक्टर गीतांजलि सनोडिया पर इलाज में देरी, मनमानी और गैरजिम्मेदारी के आरोप लगाए हैं। यही नहीं, भाजपा नेताओं की हॉस्पिटल में हिस्सेदारी और पुलिस की चुप्पी ने इस दर्दनाक घटना को और ज्यादा संदिग्ध बना दिया है। सवाल उठ रहा है कि आखिरकार मरीज की जान लेने वाले इस अस्पताल को राजनैतिक संरक्षण किस हद तक मिल रहा है?

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और निजी अस्पतालों की मनमानी का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। कुकलाह निवासी सोनू साहू की गर्भवती पत्नी अभिलाषा की मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। परिजनों का आरोप है कि जागेश्वरनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल की डॉक्टर गीतांजलि सनोडिया ने इलाज में घोर लापरवाही बरती, जिसके चलते अभिलाषा और उसके गर्भस्थ शिशु दोनों की मौत हो गई। इस घटना ने न केवल अस्पताल प्रशासन बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गजानंद पंचेश्वर, जिला महामंत्री भाजपा : राजनैतिक रसूख, मासूमो की जान गई सूख।

मीना बिसेन, भाजपा जिलाध्यक्ष : सत्ता का पवार, क्या गलत क्या सही।

डॉ. गीतांजलि सनोड़िया : मेडम की लेटलतीफी बनी मासूम की मौत का कारण।

पुलिस पर दबाव के आरोप

मृतका के परिजनों ने केवल डॉक्टर ही नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि घटना के वक्त भाजपा नेता गजानंद पंचेश्वर मौके पर मौजूद थे। परिजन चाहते थे कि शव का पोस्टमार्टम हो, ताकि सच्चाई सामने आ सके, लेकिन पुलिस ने मना कर दिया। आरोप है कि भाजपा नेता के दबाव में पुलिस ने मामले को दबाने की कोशिश की और किसी तरह की कानूनी कार्रवाई से परहेज किया।

इलाज में हुई देरी और लापरवाही

मामला 10-11 सितंबर 2025 की दरम्यानी रात का है। अभिलाषा को अचानक तेज प्रसव पीड़ा हुई, जिसके बाद परिवारजन तत्काल उसे जागेश्वरनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। परिवार ने आरोप लगाया कि घर से निकलने से पहले ही अस्पताल को फोन कर डॉक्टर को बुलाने की सूचना दी गई थी, लेकिन मौके पर पहुंचने के बावजूद स्टाफ ने इलाज शुरू नहीं किया। बताया जाता है कि डॉक्टर गीतांजलि करीब दो घंटे की देरी से अस्पताल पहुंचीं। परिजनों ने बताया कि जब डॉक्टर आईं, तब तक स्थिति गंभीर हो चुकी थी। उन्होंने पहले सोनोग्राफी की और दवाइयाँ दीं। इसके बाद ऑपरेशन की बात कहकर 1.50 लाख रुपये की मांग की। परिवार ऑपरेशन कराने और पैसे देने को तैयार था, लेकिन कुछ समय बाद अचानक डॉक्टर ने ऑपरेशन करने से इनकार कर दिया और नागपुर ले जाने की सलाह दी।

रास्ते में टूटी सांसें

पीड़िता के देवर विकास साहू ने बताया कि अभिलाषा की हालत नाजुक होने के बावजूद उसे रेफर कर दिया गया। परिवारजन जब उसे नागपुर ले जाने लगे तो शहर की सीमा पार करते ही अभिलाषा ने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि अगर डॉक्टर समय पर इलाज करतीं और ऑपरेशन से मुकरती नहीं, तो अभिलाषा और उसका बच्चा आज जिंदा होते।

राजनीतिक संरक्षण में चल रहा है अस्पताल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी खामियों वाला अस्पताल अब तक बंद क्यों नहीं हुआ? क्या भाजपा नेताओं की साझेदारी और राजनीतिक दबाव इसकी वजह है? यदि अस्पताल के पीछे सत्ता की छत्रछाया नहीं होती तो शायद यह इतनी बड़ी घटना होने से पहले ही बंद हो जाता। पीड़ित परिवार और आमजन इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि डॉक्टर गीतांजलि और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ हत्या का केस दर्ज होना चाहिए और साथ ही अस्पताल की वैधता की जाँच भी होनी चाहिए। यदि सचमुच यह बिना पंजीयन और बिना सुरक्षा मानकों के चल रहा है तो इसे तत्काल बंद किया जाए। अभिलाषा और उसके अजन्मे शिशु की मौत केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की त्रासदी है। यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और निजी अस्पतालों की मनमानी की पोल खोलती है। जब अस्पताल राजनीति की शरण में हों और पुलिस सत्ता के दबाव में, तो न्याय मिलना कठिन हो जाता है। अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन इस मामले में ईमानदारी से कार्रवाई करता है या यह घटना भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगी।

जनता में आक्रोश

इस दर्दनाक घटना के बाद इलाके में आक्रोश है। लोग पूछ रहे हैं कि आखिर कब तक निजी अस्पताल अपनी मनमानी से मरीजों की जान लेते रहेंगे और प्रशासन आँख मूँदकर बैठा रहेगा। परिजनों का दर्द साफ झलकता है, उनका कहना है कि उनकी बहू और अजन्मा बच्चा डॉक्टर की लापरवाही और अस्पताल की मनमानी की भेंट चढ़ गए। यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं पर गहरे सवाल खड़े करती है। लोग कहते हैं डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं, लेकिन जागेश्वरनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल की यह घटना दिखाती है कि जब डॉक्टर अपने कर्तव्य से भटक जाएँ तो भगवान नहीं, यमराज बन जाते हैं।

हॉस्पिटल में भाजपा नेताओं की हिस्सेदारी

जागेश्वरनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल की राजनीति से गहरी जड़ें जुड़ी होने की बातें सामने आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, इस अस्पताल में भाजपा के दो बड़े नेताओं वर्तमान जिलाध्यक्ष मीना बिसेन और जिला महामंत्री गजानंद पंचेश्वर की साझेदारी है। आरोप है कि राजनीतिक रसूख के दम पर यह अस्पताल लगातार नियम-कानूनों को ताक पर रखकर चल रहा है। अस्पताल की खामियों पर न तो स्वास्थ्य विभाग की नजर जाती है और न ही प्रशासन कार्रवाई करता है।

अवैध संचालन और गंभीर खामियां

सूत्र बताते हैं कि जागेश्वरनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल का क्लीनिकल एस्टेबलिशमेंट एक्ट के तहत पंजीयन ही नहीं है। यानी यह अस्पताल अवैध रूप से संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं, अस्पताल में फायर सेफ्टी एनओसी नहीं है। केवल दिखावे के लिए सिलेंडर रखे गए हैं। मेडिकल वेस्ट का निस्तारण कहाँ और कैसे हो रहा है, इसकी भी कोई जानकारी नहीं है। डॉक्टर गीतांजलि ने एक वीडियो में अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन होने की बात स्वीकारी थी, लेकिन अस्पताल में पंजीकृत सोनोलॉजिस्ट डॉक्टर कौन है, इस पर कोई जवाब नहीं मिला। इससे साफ है कि यहाँ सोनोग्राफी भी नियमों के खिलाफ की जा रही है। इन खामियों के बावजूद अस्पताल धड़ल्ले से चल रहा है और जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

पीएम आवास में लापरवाही करने पर जारी होंगे नोटिस

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सोमवार 15 सितम्बर को कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नवजीवन विजय, अनुविभागीय अधिकारी सिवनी श्रीमती पूर्वी तिवारी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

कलेक्टर सुश्री जैन ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए एक सप्ताह में विभागवार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कम प्रगति वाले विभागों को प्राथमिकता के साथ 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए संतुष्टि से शिकायत बंद करवाने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री जैन ने राजस्व विभाग अंतर्गत नामांतरण, अभिलेख सुधार एवं बंटवारे जैसे लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्हें होंने लक्ष्यानुसार राजस्व वसूली के निर्देश भी अधिकारियों को दिये।

बैठक में कलेक्टर सुश्री जैन ने 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित होने वाली विभागवार गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर, स्कूलों में हेल्थ कैंप, प्राकृतिक कृषि तथा नरवाई प्रबंधन को लेकर जागरूकता गतिविधियों, पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में वृहद स्तर पर स्वच्छता कार्यक्रमों, स्कूलों में जनजागरूकता गतिविधियों तथा नगरीय क्षेत्रों एवं वन विभाग द्वारा बनाये जाने वाले नर्मदा पार्क की तैयारियों की समीक्षा कर विस्तृत दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि शासन की मंशानुसार सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित होने वाली सभी गतिविधियां व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से आयोजित की जाए। सभी गतिविधियों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से अधिकतम जन समुदाय को जोड़ा जाए। कलेक्टर सुश्री जैन ने 17 सितम्बर को आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े के राज्यस्तरीय कार्यक्रम के लाईव प्रसारण की व्यवस्थाओं के संबंध में भी सभी जनपदों, नगरीय निकायों के साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

17 सितंबर से शुरू होगा सेवा पखवाड़ा

सेवा पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर संयुक्त बैठक सम्पन्न

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े की विस्तृत तैयारियों को लेकर सोमवार को कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में विधायक दिनेश राय, जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन, जनपद एवं नगरपालिका अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सेवा पखवाड़ा शासन की मंशानुरूप जन-भागीदारी के साथ आयोजित किया जाएगा। पखवाड़े का शुभारंभ 17 सितम्बर को मेडिकल कॉलेज सिवनी में वृहद रक्तदान शिविर से होगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं नागरिक सहभागिता करेंगे। शिविर से प्राप्त रक्त जरूरतमंदों के लिए संचित किया जाएगा तथा रक्तदाताओं का पंजीयन ई-रक्तकोष पोर्टल पर होगा। साथ ही, इसी दिन जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।

शिक्षा एवं विद्यालय स्तर पर कार्यक्रम

विद्यालयों में कबाड़ से जुगाड़ थीम पर गतिविधियाँ होंगी, जिनमें विद्यार्थी खराब सामग्री से गमले बनाकर उनमें पौधे लगाएंगे। यह पौधे विद्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण में उपयोग होंगे। इसके साथ ही निबंध, भाषण प्रतियोगिता एवं ईट राइट कैंपेन के तहत स्वास्थ्यवर्धक खान-पान पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। पखवाड़ा अवधि में स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, शिक्षा एवं जनजातीय कार्यविभाग के समन्वय से स्कूलों में छटवी से बारहवीं तक अध्ययनरत बालिकाओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन होगा साथ ही उचित परामर्श दिया जायेगा। सभी स्कूलों में एक बगिया माँ के नाम अभियान अंतर्गत पोषण वाटिका का भी निर्माण होगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र की गतिविधियाँ

पखवाड़े के दौरान पूरे जिले में सिकल सेल, टीबी और अन्य रोगों की स्क्रीनिंग हेतु विशेष शिविर होंगे। इसके अलावा, पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए जाएंगे। महिलाओं एवं किशोरी छात्राओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर आयोजित कर उन्हें जागरूक किया जाएगा।

युवा और खेल गतिविधियाँ

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा महाविद्यालयों के सहयोग से नमो मैराथन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

धरती आबा अभियान एवं ग्राम विकास योजना: धरती आबा अभियान से जुड़े ग्रामों में 17 सितम्बर को आदि सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। यहां स्थानीय निवासी अपने ग्राम की विकास योजना तैयार करेंगे, जिसे 2 अक्टूबर को विशेष ग्रामसभा में अनुमोदित किया जाएगा। सेवा पखवाड़े के दौरान पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस अवधि में नगरीय, ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों में नमो उपवन और एक बगिया माँ के नाम अभियान अंतर्गत आकर्षक एवं औषधीय पौधों से युक्त बगीचे विकसित किए जाएंगे।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए पंजीयन 10 अक्टूबर तक

सिवनी। जिला आपूर्ति अधिकारी सिवनी द्वारा बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु किसान पंजीयन दिनांक 15 सितम्बर 2025 से 10 अक्टूबर 2025 तक किया जाना है।

उन्हें होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिले में किसानों की सुविधा के लिए 66 किसान पंजीयन केन्द्र क्रमशः आमागढ, नरेला, कान्हीवाडा, थांवरी, गोपालगंज, सीलादेही, बांकी, चदौरीकला, चावडी, मडवा, चंडोल, पुरुनाह, मुंगबानीकलों, लखनवाडा, केवलारी, खापा, अडरवाडा, छीन्दा, पलारी, देवघाट, सुनेहरा, बुटेरा, लोपा, अर्जुनझिर, बगलई, बरघाट, बरघाट, लुहारा, अरी, डूँगरियाद्वपारा, छपाराकला, लखनादौन, सारसडोल, नागनदेवरी, घंसौर, कहानी, मेहता, केदारपुर, धनौरा, कुंडारी, कुरई, पीपरवानी, छुई, मानेगांव, चक्की, खमरिया, गुवारी, बादलपार, मोहगांव, मलारा, धारनाकलों, बेहरई, धपारा, दीदीदाडा, बीसावाडी, कलारबाकी, उडेपानी, संमनापुर, धूमा, सनाईडोगरी, लखनादौन, आदेगांव, में स्थापित किये गये है। धान उत्पादक किसान उक्त केन्द्रों में जाकर निःशुल्क धान पंजीयन 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक तक शासकीय कार्य दिवस में करा सकते हैं।

सेंट आर सिटी सिवनी में दिव्यांगजनों के लिए 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन के निर्देशन एवं आजीविका मिशन तथा सामाजिक न्याय निशक्तजन कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में सामाजिक उत्थान एवं प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा सिवनी जिले के दिव्यांगजनों हेतु 7 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में दिव्यांगजनों को शॉपकीपर से संबंधित व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, ताकि वे भविष्य में स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

संदीप परते, प्रभारी उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण सिवनी द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को कौशल आधारित शिक्षा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। शॉपकीपर का प्रशिक्षण दिव्यांगजनों को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। जिसका समापन आज दिनांक 13.9.2025 को किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन से संजय रस्तोगी सर,उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग संदीप परते, अंशुलदीप निकोसे प्रशासनिक अधिकारी जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सिवनी कौशल सनोडिया एवं अन्य डीडीआरसी स्टाफ एवं आरसीटी निदेशक कुलदीप सिंह एवं समस्त आरसेटी स्टाफ उपस्थित रहा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , संपादक* संजय बघेल पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433